



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



O
C
M
Y
B

वर्ष -12 अंक - 159

प्रयागराज, गुरुवार 08 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रूपये

रूस के पास तेल टैंकर पर यूक्रेन का ड्रोन हमला, 23 भारतीय सवार थे, तनाव से रूस का अनाज निर्यात 71 फीसदी घटा

मॉस्को। रूस के पास ब्लैक सी में मंगलवार को लाइबेरिया के झंडे वाले तेल टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 भारतीय कू सदस्य सवार थे। हमले के बाद इमरजेंसी टीमों ने सभी का रेस्क्यू किया। रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, टैंकर पर यूक्रेन की ओर से आए ड्रोन से हमला हुआ था। हमले के बाद जहाज में आग लगी और समुद्र में कच्चा तेल जलता दिखाई दिया। लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। जहाज मालिक इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल दुलाई की लागत बढ़ रही है। अगस्त में रूस का अनाज निर्यात 59 लाख टन से घटकर 17 लाख टन रह गया था, यानी 71 फीसदी गिरावट। सितंबर में भी निर्यात करीब 50 फीसदी घटकर 24.5 लाख टन रहने का अनुमान है। तेज आग के कारण बचाव दल नहीं पहुंच पा रहे थे। मंत्रालय ने बाद में कहा कि आग की तीव्रता घटने के बाद इमरजेंसी टीमों के पास



मंत्रालय के मुताबिक तेज आग की के कारण दमकलकर्मी शुरुआत में जहाज के पास नहीं पहुंच पा रहे थे। मंत्रालय ने बाद में कहा कि आग की तीव्रता घटने के बाद इमरजेंसी टीमों के पास

इसे नियंत्रित करने के पर्याप्त साधन थे। जहाज यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में था-द कीव

का नेटवर्क है, जिनका इस्तेमाल रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से बचकर तेल समेत दूसरे सामान के निर्यात में करता है। यूक्रेन ने फरवरी में जहाज पर प्रतिबंध लगाए थे। उसका कहना था कि इस नेटवर्क के जहाज रूस को जरूरी ऊर्जा आया बनावे रखने में मदद करते हैं। इसी आया से रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को फंड करता है। रूस-यूक्रेन से ब्लैक सी में 300 जहाजों पर हमले किए-रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब 2 महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है। इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं। लगातार हमलों का असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है। गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पीएम शहबाज का इमरान समर्थकों को बातचीत का न्योता, लॉन्ग मार्च पेशावर से 30 किमी. दूर पूर्व पीएम की रिहाई की मांग से समझौता नहीं-सपोर्टर्स

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इमरान समर्थकों का लॉन्ग मार्च अब पेशावर से महज 30 किलोमीटर दूर है। मार्च को देखते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को इमरान समर्थकों को बातचीत का न्योता दिया। शहबाज का यह बयान इसलिए अहम है, क्योंकि सोमवार को ही उनकी सरकार ने इमरान समर्थकों से बातचीत करने से इनकार किया था। हालांकि, इमरान समर्थकों ने शहबाज के बातचीत के प्रस्ताव को साफ तौर पर ठुकरा दिया है। उनका कहना है कि वे इमरान खान की रिहाई की मांग से पीछे नहीं हटेंगे। इमरान समर्थकों ने 4 अक्टूबर से खैबर पख्तूनख्वा से मार्च शुरू किया है। ये लोग करीब 180 किमी की दूरी तय कर इस्लामाबाद पहुंचेंगे। शहबाज बोले- आर्थिक सुधार

को नुकसान पहुंच सकता है- शहबाज शरीफ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि लंबे समय तक चलने वाला प्रदर्शन

कहा कि इन कोशिशों को रोकने की कोई भी कोशिश राज्य से दुश्मनी के बराबर होगी। शहबाज ने कहा- हम ऐसा नहीं



पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति सुधारने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पिछले ढाई साल से देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने

होने देंगे। कानून अपना काम करेगा। लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है और हम हर हाल में इसे सुनिश्चित करेंगे। मार्च और बढ़ा तो शहबाज की कुर्सी खतरे में आएगी-पाकिस्तान में

भारतीय उच्चायोग में रहे अविनाश मोहनानी ने कहा कि इमरान समर्थकों का लॉन्ग मार्च खैबर से पंजाब में पहुंचते ही शहबाज सरकार पर दबाव बढ़ाएगा। व्यापक समर्थन मिला तो आर्मी चीफ मुनीर के लिए भी इसे रोकना मुश्किल होगा। इसी वजह से मार्च को रोकने की कोशिश तेज है। इमरान की लोकप्रियता अब भी कायम है और उनकी रिहाई की चाबी मुनीर के पास है। वहीं, सीनियर फेलो और राजनीतिक विश्लेषक सुशांत सरिन के मुताबिक, आसिम मुनीर लॉन्ग मार्च के बहाने शहबाज शरीफ को घेर रहे हैं। सरिन के मुताबिक, मुनीर ने पहले मार्च के रास्ते में खैबर में फ्रंटियर फोर्स तैनात की। इसके बाद मंगलवार को शहबाज से इमरान समर्थकों को बातचीत के लिए बुलाने को कहा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाक 60 लड़कियों के फोन लेकर रफूचक्कर हुए ठग, नौकरी का झांसा देकर बुलाया, सभी के मोबाइल जमा कराए, फिर बाइक से भाग निकले

कराची। पाकिस्तान के कराची में ठग नौकरी का झांसा

फार्महाउस ले गए-30 सितंबर को लड़कियों को बहरिया टाउन



देकर कम से कम 60 लड़कियों के मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। ठगों ने सोशल मीडिया और वॉट्सएप ग्रुप के जरिए उन्हें एक कार्यक्रम में स्टॉल संचालन का काम दिया था। 30 सितंबर को सभी को कराची के बाहर एक फार्महाउस ले जाया गया, जहां कंपनी पॉलिसी का हवाला देकर उनके मोबाइल जमा करा लिए गए। कुछ देर बाद ठग मोबाइल से भरा बैग लेकर बाइक से भाग निकले। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मुख्य आरोपी अब भी फरार है। उसके दो भाइयों को पुलिस थाने लाई है, जबकि एक महिला साथी को भी हिरासत में लिया गया है। रोज 2 हजार पाकिस्तानी रूपए देने का वादा-स्थानीय पुलिसकर्मी मुहम्मद अली ने बताया कि सभी लड़कियां नौकरी की तलाश में थीं और मिडिल-क्लास परिवारों से आती हैं। उन्हें एक हफ्ते तक काम करने के लिए रोजाना 2,000 पाकिस्तानी रूपए और दूसरी सुविधाएं देने का वादा किया गया था। उन्हें बताया गया था कि कराची के बाहर एक गेटेड कम्युनिटी में कार्यक्रम होगा, जहां उन्हें स्टॉल लगाने हैं। कार्यक्रम की जगह

ले जाने के बजाय कराची के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस ले जाया गया। इसके कुछ लड़कियां घबरा गईं। एक पौड़िता ने बताया कि मुख्य आरोपी और उसका साथी सामान्य तरीके से पेश आए। उन्होंने कहा कि फार्महाउस में महिला कोऑर्डिनेटर से मुलाकात होगी और दोपहर के खाने के बाद सभी को बहरिया टाउन ले जाकर स्टॉल लगाने हैं। इसके बाद मुख्य आरोपी ने कंपनी पॉलिसी का हवाला देकर सभी आरोपी अब भी फरार है। उसके दो भाइयों को पुलिस थाने लाई है, जबकि एक महिला साथी को भी हिरासत में लिया गया है। रोज 2 हजार पाकिस्तानी रूपए देने का वादा-स्थानीय पुलिसकर्मी मुहम्मद अली ने बताया कि सभी लड़कियां नौकरी की तलाश में थीं और मिडिल-क्लास परिवारों से आती हैं। उन्हें एक हफ्ते तक काम करने के लिए रोजाना 2,000 पाकिस्तानी रूपए और दूसरी सुविधाएं देने का वादा किया गया था। उन्हें बताया गया था कि कराची के बाहर एक गेटेड कम्युनिटी में कार्यक्रम होगा, जहां उन्हें स्टॉल लगाने हैं। कार्यक्रम की जगह

ले जाने के बजाय कराची के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस ले जाया गया। इसके कुछ लड़कियां घबरा गईं। एक पौड़िता ने बताया कि मुख्य आरोपी और उसका साथी सामान्य तरीके से पेश आए। उन्होंने कहा कि फार्महाउस में महिला कोऑर्डिनेटर से मुलाकात होगी और दोपहर के खाने के बाद सभी को बहरिया टाउन ले जाकर स्टॉल लगाने हैं। इसके बाद मुख्य आरोपी ने कंपनी पॉलिसी का हवाला देकर सभी आरोपी अब भी फरार है। उसके दो भाइयों को पुलिस थाने लाई है, जबकि एक महिला साथी को भी हिरासत में लिया गया है। रोज 2 हजार पाकिस्तानी रूपए देने का वादा-स्थानीय पुलिसकर्मी मुहम्मद अली ने बताया कि सभी लड़कियां नौकरी की तलाश में थीं और मिडिल-क्लास परिवारों से आती हैं। उन्हें एक हफ्ते तक काम करने के लिए रोजाना 2,000 पाकिस्तानी रूपए और दूसरी सुविधाएं देने का वादा किया गया था। उन्हें बताया गया था कि कराची के बाहर एक गेटेड कम्युनिटी में कार्यक्रम होगा, जहां उन्हें स्टॉल लगाने हैं। कार्यक्रम की जगह

राहुल-प्रियंका पर एफआईआर, आकाशवाणी भवन में घुसने का आरोप, खड़गे ने विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई विपक्षी सांसदों के खिलाफ आकाशवाणी भवन में जबरन घुसने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। शिकायत आकाशवाणी की ओर से की गई है। विपक्षी सांसद मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और एसआईआर के विरोध में संसद से चुनाव आयोग तक 'सेव हेमोक्रेसी' मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेड लगाए। मार्च रोक दिया और कई नेताओं

को बसों में बैठकर प्रदर्शन खत्म कराने की तैयारी की। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अचानक बस से उतरकर आकाशवाणी भवन के अंदर चले गए। दोनों परिसर में बरगद के पेड़ के नीचे धरने पर बैठ गए। उनके साथ कई नेता और कार्यकर्ता रात करीब 8 बजे तक यहीं बैठे रहे। प्रदर्शन के आगे का प्लान बनाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने आज इंडिया मीडिया के जरिए पता चला कि इंडिया ब्लॉक के नेता, 6 अक्टूबर को सुबह करीब 10:30 बजे संसद

करेंगे- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने विपक्षी सांसदों को दोपहर 1:30 बजे दिल्ली के जनपथ स्थित सागर रत्ना रेस्टोरेंट में बुलाया है। इस बैठक में सभी सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का समय मांगने के लिए एक चिट्ठी पर दस्तखत करेंगे। दिल्ली पुलिस बोली- राहुल ने मार्च निकालने की परमिशन नहीं ली- दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पता चला कि इंडिया ब्लॉक के नेता, 6 अक्टूबर को सुबह करीब 10:30 बजे संसद

भवन से चुनाव आयोग (ईसीआई) के कार्यालय की ओर मार्च करेंगे- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने विपक्षी सांसदों को दोपहर 1:30 बजे दिल्ली के जनपथ स्थित सागर रत्ना रेस्टोरेंट में बुलाया है। इस बैठक में सभी सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का समय मांगने के लिए एक चिट्ठी पर दस्तखत करेंगे। दिल्ली पुलिस बोली- राहुल ने मार्च निकालने की परमिशन नहीं ली- दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पता चला कि इंडिया ब्लॉक के नेता, 6 अक्टूबर को सुबह करीब 10:30 बजे संसद



निकालेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए कोई आवेदन नहीं दिया गया था। इसलिए हमारी तरफ से कोई

परमिशन जारी नहीं की गई थी। इस जमावड़े को बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा के उल्लंघन की आशंका के चलते सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। विपक्ष का आरोप- ज्ञानेश कुमार ने गड़बड़ी की, भाजपा ने साथ दिया- विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में बदलाव और नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 की प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता नहीं बरती। विपक्ष ने आयोग के भीतर दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों और सुप्रीम

कोर्ट में फॉर्म-6 को लेकर हुई सुनवाई का हवाला दिया। कांग्रेस का आरोप है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार ने भाजपा का साथ दिया और वोट चोरी कराई। एसआईआर को लेकर ज्ञानेश और चुनाव आयोग पर सवाल-द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर से जुड़े फैंसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी।

मेलोनी को अपनी आवाज चोरी होने की फिक्र, एआई से बचने के लिए ट्रेडमार्क आवेदन दिया

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने अपनी आवाज को गलत तरीके से इस्तेमाल होने से बचाने के लिए उसे ट्रेडमार्क कराने का आवेदन किया है। उनका यह कदम एआई डीपफेक के खतरे से बचने के लिए है। मेलोनी ने यूरोपीय संघ के बौद्धिक संपदा कार्यालय (ईपिड) में यह आवेदन किया है। आवेदन के साथ मेलोनी ने करीब 4 सेकंड की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग जमा की है। इसमें वह इतालवी भाषा में दो बार कहती हैं- लो सोनो जॉर्जिया यानी मैं जियोर्जिया मेलोनी हूं। मेलोनी की 2021 में आई आत्मकथा का नाम भी लो सोनो जॉर्जिया था। यह वाक्य उनके राजनीतिक प्रचार से भी जुड़ा हुआ है। मेलोनी अपनी आवाज का ट्रेडमार्क कराने वाली



सीखता है: एआई को किसी व्यक्ति की असली आवाज की रिकॉर्डिंग दी जाती है। वह उसके बोलने के तरीके, आवाज के उतार-चढ़ाव और उच्चारण को समझता है। फिर नई बातें उसी आवाज में बोली जा सकती हैं: एआई इस जानकारी के आधार पर उस व्यक्ति की आवाज जैसी

नई रिकॉर्डिंग तैयार कर सकता है, भले ही उसने वह बात असल में कभी न कही हो। कुछ सेकंड की आवाज भी काफी: आवाज की नकल के लिए कुछ सेकंड की रिकॉर्डिंग से भी काम चल सकता है। हालांकि, ज्यादा साफ और असली जैसी आवाज बनाने के लिए ज्यादा रिकॉर्डिंग की जरूरत होती है। इससे फर्जी बयान का खतरा: ऐसी तकनीक का गलत इस्तेमाल करके किसी नेता, कलाकार या आम व्यक्ति की आवाज में फर्जी बयान बनाया जा सकता है और उसे असली बताकर फैलाया जा सकता है। कई कलाकार पहले ही ऐसा कदम उठा चुके-एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ आवाज भी अब डिजिटल पहचान का हिस्सा बन गई है, जिसे सुरक्षित रखने के लिए कलाकार कानूनी रास्ते तलाश रहे हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी कणों को पकड़ने का तरीका खोजा, 2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

स्टॉकहोम। बेल्जियम के वैज्ञानिक फ्रांसिस हाल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है। उन्होंने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ में न्यूट्रिनो पकड़ने वाली आइसक्यूब ऑब्जर्वेटरी बनाने का विचार दिया था। नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रूपए है। न्यूट्रिनो बहुत छोटे कण हैं, जो सूरज, तारा और अंतरिक्ष की बेहद ताकतवर घटनाओं से निकलते हैं। अरबों न्यूट्रिनो हर सेकंड हमारे शरीर और धरती के आर-पार निकल जाते हैं, लेकिन हमें उनका पता तक नहीं

चलता। इन कणों की खास बात यह है कि वे अंतरिक्ष से निकलकर लगभग सीधी दिशा में धरती तक पहुंचते हैं और रास्ते में बहुत कम बदलते हैं। इसलिए अगर



वैज्ञानिक इन्हें पकड़ लें, तो वे पता लगा सकते हैं कि ये ब्रह्मांड में कहां और किस घटना से निकले थे। लेकिन न्यूट्रिनो को पकड़ना

आसान नहीं है। वे ज्यादातर पदार्थों को बिना टकराए पार कर जाते हैं। इसी समस्या का हल खोजते हुए वैज्ञानिक फ्रांसिस हाल्जेन ने 1988 में दक्षिणी ध्रुव

माँजूद परमाणु के नाभिक से टकराता है, तो उस टक्कर से बेहद हल्की रोशनी पैदा होती है। न्यूट्रिनो ने उन्हें ब्रह्मांड को देखने का एक और रास्ता दिया। यानी अब वैज्ञानिक सिर्फ यह नहीं देखते कि अंतरिक्ष से रोशनी कहां आ रही है, आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

गए। अगर कोई न्यूट्रिनो बर्फ में मौजूद परमाणु के नाभिक से टकराता है, तो उस टक्कर से बेहद हल्की रोशनी पैदा होती है। न्यूट्रिनो ने उन्हें ब्रह्मांड को देखने का एक और रास्ता दिया। यानी अब वैज्ञानिक सिर्फ यह नहीं देखते कि अंतरिक्ष से रोशनी कहां आ रही है, आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अमेरिकी सैनिक को गोली मारकर मौत की सजा दी, धार्मिक नारा लगाकर 13 लोगों को मार दिया था, 65 साल में पहला ऐसा मामला

टेक्सास। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व अमेरिकी सैनिक निदाल हसन को गोली मारकर मौत की सजा देने का आदेश दिया है।



पेंटागन ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अगर हसन की सजा लागू होती है तो वह 1961 के बाद अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था के तहत मौत की सजा पाने वाला पहला व्यक्ति होगा। सैन्य व्यवस्था में आखिरी बार प्राइवेट जॉन ए. बेनेट को मौत की सजा दी गई थी। हसन ने 2009 में टेक्सास के सैन्य अड्डे पर धार्मिक नारा लगाते हुए गोलीबारी की थी, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई थी। हमले के बाद माना- जिहाद के लिए किया-5 नवंबर 2009 को सेना के मनोचिकित्सक मेजर निदाल हसन निजी पिस्तौल लेकर फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पहुंचा और सैनिकों व अन्य लोगों पर अचानक गोलीबारी कर दी। यह अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुई सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी थी। उस समय अमेरिका अफगानिस्तान और इराक में युद्ध लड़ रहा था। हसन ने बाद में कहा कि वह इन युद्धों को गैरकानूनी और अनैतिक मानता था और जिहाद के लिए हमला किया था।

गोलीबारी में हसन भी घायल हुआ और कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गया। सैन्य अदालत में उसने हत्याओं की बात स्वीकार की। 2013 में उसे पहले से हत्या की

योजना बनाने और हत्या की कोशिश के कुछ 45 मामलों में दोषी ठहराया गया। हसन ने हमले पर कोई पछतावा नहीं जताया। सैन्य मानसिक स्वास्थ्य पैनल के सामने उसने कहा कि वह चाहता था कि हमले में उसकी भी मौत हो जाती, उसका यह तक कहा कि मौत की सजा मिलने पर भी वह खुद को शहीद मानेगा। हमले से पहले कट्टर हुए थे धार्मिक विचार-मेजर हसन का जन्म वर्जीनिया के अल्लिंगटन में फिलिस्तीनी मूल के मुस्लिम माता-पिता के घर हुआ था। उसने वर्जीनिया टेक में पढ़ाई की और 1997 में सैन्य मेडिकल स्कूल की ट्रेनिंग शुरू की। हमले से पहले के कुछ सालों में इस्लाम को लेकर उसके विचार कट्टर होते गए थे। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने अपने बयान में हसन के जिहादी मकसद का जिक्र करते हुए उसे आतंकवादी बताया। हालांकि, हसन पर आतंकवाद से जुड़ी धाराओं में मुकदमा नहीं चलाया गया था।

राष्ट्रपति बुश ने भी सैन्य कैंदी की मौत की सजा मंजूर की थी- राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 2008 में प्राइवेट रोनाल्ड ए. ग्रे की मौत की सजा मंजूर की थी।

मौलिक अधिकार पार्टी ने अपनी दस सूत्री मांगों का ज्ञापन उप जिला मजिस्ट्रेट को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रतापगढ़। मौलिकअधिकार पार्टी की जनपद इकाई प्रतापगढ़ ने

4000/हजार रुपए प्रतिमाह वॉटरशिप लागू करने, विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) 2025 : पर

विकास के नाम पर परंपरागत शिक्षा देकर अप्रत्यक्ष रूप से वैदिक युग एवं मनुस्मृति काल लाने की योजना बन रही है। उच्चा प्रतियोगी परीक्षाओं में 40फीसदी अंक प्रैक्टिकल /इंटरव्यू और 60फीसदी अंक लिखित में निर्धारित करके पक्षपात करने का अवसर परीक्षकों को सरकार द्वारा दिया जा रहा है जो गलत है लिखित परीक्षा 90फीसदी अंकों का सुनिश्चित किया जाएगा जिससे पक्षपात कम हो। न्यायपालिका दशाः बाप मुकदमा दायर करता है। नाती पोते फौसला सुनते हैं। इसलिए प्रत्येक राज्य में सुप्रीम कोर्ट की बेंच और प्रत्येक संभाग में हाई कोर्ट की बेंच तथा तहसील स्तर तक दीवानी

प्रदेश महासचिव राम बहादुर शर्मा के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष विश्वास ठाकुर ने प्रदेश उपाध्यक्ष हरिपाल वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जनार्दन शर्मा, नगर अध्यक्ष रामकुमार शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, भरत व्यास शर्मा के साथ महामहिम द्रौपदी मुर्मू राष्ट्राध्यक्ष भारत सरकार को संबोधित 10 बिंदुओं का ज्ञापन द्वारा उप जिला मजिस्ट्रेट सदन प्रतापगढ़ सौंपा। जिसमें क्रमशः अति पिछड़ा वर्ग अत्याचार निवारण कानून बनाने, अति पिछड़े वर्गों का पृथक आरक्षण लागू करने, वर्तमान में हो रही जनगणना में एससी/एसटी की भांति, पिछड़े वर्गों की भी जनगणना सुनिश्चित करने, वोट के बदले नोट लेने का मतदाता का अधिकार है अर्थात्

विचार करने, उदारीकरण निजीकरण भूमंडलीकरण निजीकरण (एलपीजी) 19 91 के अंतर्गत देश में 27000 बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आने से देश पर पड़ने वाले कुप्रभाव पर पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार करने, विशेष शिक्षा के क्षेत्र 2008 : द्वारा देश में सैकड़ों विदेशी विश्वविद्यालय खोले जाने से हमारे देश के छात्र शिक्षा और साहित्य, दर्शन और साधना, कला और स्वापत्य को नहीं जान पाएंगे। प्रसिद्ध इतिहासकार मैक्स मूलर ने कहा था 'कि जो समाज अतीत के प्रति उदासीन, वर्तमान के प्रति चिंतित, भविष्य के प्रति निश्चित' होता है। ऐसे समाज का कभी विकास नहीं होता है। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत देश में कौशल

फौजदारी की अदालतें स्थापित की जाए क्योंकि देर से मिला न्याय अन्याय में बदल जाता है। अंतिम महत्वपूर्ण बिंदु चुनाव प्रक्रिया : है वोटिंग मशीन हटाओ। वॉलेट पेपर लाओ। जानता की बात सरकार नहीं मान रही है। तानाशाह रवैया अपनाए है इसलिए वोट चोरी रोकने के लिए बूथ पर ही गिनती हो। वोटरलिस्ट में गड़बड़ी का जिम्मेदार सीधे जिला निर्वाचन अधिकारी (रिटनिंग ऑफिसर) है। वोटर लिस्ट आधार कार्ड से जोड़ी जाए तथा एसआईआर का ड्रामा बंद हो। इन सभी बिंदुओं पर प्रभावी कदम उठाने की मौलिक अधिकार पार्टी की जिला प्रतापगढ़ इकाई ने महामहिम राष्ट्राध्यक्ष जी से आग्रह किया है।

डीएम ने जीआईसी मैदान में जनपद स्तरीय तीन दिवसीय सरस मेला-2026 का किया शुभारंभ स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों एवं विभिन्न विभागों के स्टॉलों का किया गया अवलोकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

मजबूत बनाने की दिशा में सरस मेला महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

एवं बिक्री की जा रही है। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा



सरनीत कौर ब्रोका ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तत्वावधान में जीआईसी मैदान में आयोजित जनपद स्तरीय तीन दिवसीय सरस मेला-2026 का उद्घाटन किया, इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, परियोजना निदेशक डीआरडीए/उपायुक्त एनआरएलएम मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह उपस्थित रहें। इसके पश्चात स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए लगाए गए स्टॉलों तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए 28 स्टॉलों का अवलोकन किया गया और महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों एवं उनके व्यवसायिक प्रयासों की सराहना की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने हुनर एवं मेहनत के बल पर विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर रही हैं तथा उन्हें बाजार उपलब्ध होने से उनकी आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रतिभा को उचित मंच एवं बाजार उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से

है। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद न केवल उनके



परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि जनपद, प्रदेश एवं देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं। सरस मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, घरेलू उपयोग की सामग्री, परंपरागत एवं स्थानीय उत्पादों सहित अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी

अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.वी. सिंह, एलडीएम सुबोध मिश्रा, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, लाभार्थी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।



जनसमस्याओं पर प्रशासन की चुप्पी के खिलाफ ब्लाक कांग्रेस ब्यौहारी का हल्लाबोल, 9 अक्टूबर को विधायक बंगले का घेराव, ब्यौहारी में गरमा गया सियासी माहौल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। विधानसभा क्षेत्र 83

लगाया है कि जनसमस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन को कई



ब्यौहारी की विभिन्न जनसमस्याओं और क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी के अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी 'पिटू' ने कलेक्टर शहडोल को पत्र सौंपकर आरोप

बार शिकायत एवं ज्ञापन दिए जाने के बावजूद समस्याओं के निराकरण की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस का कहना है कि लगातार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है इसी

के विरोध में कांग्रेस द्वारा 9 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे विधानसभा क्षेत्र 83 के विधायक शरद कोल के कार्यालय/बंगले का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी 'पिटू' ने कहा कि जनता की समस्याओं पर अब चुप नहीं बैठे जाएंगे। क्षेत्र की जनता सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, रोजगार सहित विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है और बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी यदि जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर जनता की आवाज बुलन्द करेगी।

सतेन्द्र त्रिपाठी पिटू ने स्पष्ट कहा है कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। 9 अक्टूबर को होने वाले इस घेराव-प्रदर्शन को लेकर ब्यौहारी की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जनगणना-2027 को सुचारु एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु 106 फील्ड ट्रेनरों के प्रशिक्षण का प्रथम बैच प्रारम्भ जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कर लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनगणना-2027 को

अभिलेखों एवं सूचनाओं के संकलन तथा गणना कार्य के

कार्मिकों को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान



सुचारु, व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत सभागार, रायबरेली में 106 फील्ड ट्रेनरों के प्रशिक्षण का प्रथम बैच प्रारम्भ हुआ।

दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय

किया जा सके। उन्होंने प्रशिक्षण में किसी भी प्रकार की शंका होने पर तत्काल उसका समाधान प्राप्त करने तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम

जनगणना से संबंधित 40 प्रश्नों एवं उनके सही उत्तर दर्ज करने की प्रक्रिया की दी गई विस्तृत जानकारी

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए गए हैं, जिससे आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त हो रही है। कार्यक्रम में अधिकारियों द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अपने उत्पादों की गुणवत्ता, बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं विपणन पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि उनके उत्पादों को स्थानीय स्तर के साथ-साथ व्यापक बाजार भी उपलब्ध हो सके और उनकी आय में वृद्धि हो। इस अवसर पर उपयुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, जिला

स्थिति का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना की प्रक्रिया में संकलित आंकड़ों का उपयोग विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाता है। ऐसे में जनगणना कार्य से जुड़े प्रत्येक कार्मिक का अपने दायित्वों एवं निर्धारित प्रक्रिया की पूरी जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान सभी फील्ड ट्रेनर जनगणना कार्य से संबंधित प्रत्येक बिंदु को गंभीरता एवं ध्यानपूर्वक समझें, ताकि तहसील एवं चार्ज स्तर पर प्रगणकों तथा अन्य संबंधित

के दौरान फील्ड ट्रेनरों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, प्रश्नावली में सूचनाओं की सही प्रविष्टि, गणना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा कार्मिकों की जिम्मेदारियों के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं द्वारा जनगणना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर अपनी जिज्ञासाएं एवं शंकाएं रखीं, जिनका मास्टर ट्रेनरों द्वारा समाधान किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सहदेव मिश्र सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

डीएनडी पर भाजपा नोएडा महानगर ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नट्टा का किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा आज ग्रेटर

इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत

अशोक मिश्रा, प्रमोद बहल, बबलू यादव, पंकज झा, मनीष वाल्मीकि, मीनाक्षी चौहान,



नोएडा जाते समय डीएनडी पर केंद्रीय मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) आदरणीय जे.पी. नट्टा जी का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष श्री महेश चौहान जी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर गौतम नगर सांसद डॉ महेश शर्मा जी, जिला अध्यक्ष महेश चौहान एवं जिला महामंत्री अमित त्यागी ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नट्टा जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

किया। आदरणीय जे.पी. नट्टा जी ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए जा रहे थे। उनके नोएडा आगमन पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में राकेश शर्मा, चंदगीराम यादव, ओमबीर अवाना, संजय बाली, विनोद शर्मा, डीपल आनंद, उमेश त्यागी,

उषा थापा, उषा किशोर, गौरव मेहरा, अनिमेष सिंह, ममता सिंह, गुडिया, साईमा चौधरी, रोशनी सिंह, किरण सहित हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नट्टा जी का स्वागत करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और उनके नेतृत्व में पार्टी को और अधिक मजबूत एवं जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

प्रयागराज कौउचर गाला: मिस एंड मिस्टर यूनिवर्स उत्तर प्रदेश 2026 का भव्य ऑडिशन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को

कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



प्रयागराज में 'प्रयागराज कौउचर गाला - मिस एंड मिस्टर यूनिवर्स उत्तर प्रदेश 2026' के ऑडिशन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। द रॉयल बास्केट चाट में आयोजित इस ऑडिशन में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास और जोश के साथ अपनी प्रतिभा, व्यक्तित्व एवं मंचीय क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतिष्ठित आयोजन का आयोजन अनी सिंह राजपूत द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम का प्रबंधन मिस सेजल ने संभाला। कार्यक्रम की कार्ययोजना योजनाकार - अंजलि गुप्ता, एबी इवेंट एम्पायर रहें, जिन्होंने आयोजन की योजना, व्यवस्थाओं एवं समन्वय को पेशेवर तरीके से संभालते हुए

ऑडिशन के दौरान प्रतिभागियों का मूल्यांकन विभिन्न चरणों में किया गया। इनमें परिचय, प्रतिभा प्रदर्शन, प्रश्न एवं उत्तर चरण तथा रैंप वॉक प्रमुख रहे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, संवाद क्षमता, प्रतिभा, मंचीय प्रस्तुति एवं रैंप वॉक को चयन के प्रमुख आधार के रूप में देखा। कार्यक्रम में अभिनव जैदी ने बतौर निर्णायक मंडल सदस्य अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं मोमीश पांडे, निखिल केशरवानी और बरिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

डीएम की अध्यक्षता में नगरीय निकाय उप निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सक्षम सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न डीएम ने सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली

उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शुचिता बनाए रखी जाए। निर्वाचन से संबंधित सभी



सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में आज तहसील सलोन के सभागार में नगरीय निकाय उप निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नगर पंचायत सलोन के रिक्त पद पर होने वाले उप निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सक्षम सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में रिटर्निंग ऑफिसर (आर0300), सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (ए0आर0300), जोनल

व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करते हुए मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सक्षम सम्पन्न कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों एवं निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की गहन जानकारी रखने तथा किसी भी प्रकार की समस्या अथवा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल उसका नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी



मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित सम्बन्धित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर मतदान वेंदों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, कार्मिकों की तैनाती तथा अन्य निर्वाचन व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान निर्वाचन से संबंधित तैयारियों, मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं, कार्मिकों की तैनाती, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/प्रभारी कानून व्यवस्था सिद्धार्थ, नगर मजिस्ट्रेट राम अवार, उपयुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, उपजिलाधिकारी सलोन अंकित कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी दिनायक शूक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ओम् शिव शक्ति मानव सेवा मण्डल द्वारा ज्ञात/अज्ञात पितरों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक पिंडदान 10 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल सुपरमार्केट

करवाती है। संस्था का मानना है कि दैवीय आपदा से प्रसित अज्ञात आत्माओं की शांति एवं



भंडारे की ओर से पितृ विसर्जन अमावस्या पर विशेष कार्यक्रम के तहत पितरों की आत्म शांति

जिनका कोई भी संसार में नहीं है, उन सभी अज्ञात आत्माओं की शांति के लिए पितृ विसर्जन



के लिए पूजन पाठ विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम के संदर्भ में मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी ने बताया कि दिनांक 10 अक्टूबर प्रातः 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक सभी ज्ञात-अज्ञात पितरों की आत्मशांति के लिए असंख्य पिंडदान के साथ विशेष पूजन विद्वान आचार्य पंडित इंदुधर दीक्षित के द्वारा संपन्न करवाया जाएगा। इसी क्रम में ब्रह्म भोज के साथ पितरों की आत्म शांति के लिए विशाल भंडारे का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल मानव कल्याण के लिए प्रतिवर्ष उक्त कार्यक्रम को संपन्न

अमावस्या के दिन असंख्य पिंडदान के साथ ब्राह्मणों को भोजन एवं गरीब निराश्रित बेसहारा जरूरतमंदों को भोजन के साथ वस्त्र दान भी किया जाता है। इस कार्यक्रम से जनमानस को जोड़ने की अपील भी किया गया। मंडल संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, पवन श्रीवास्तव, जगदीश चोपानी, गंगेश चौरसिया, पंकज मिश्रा, रामप्रकाश श्रीवास्तव, पंडित मंदू शुक्ला, राजेश पांडे, कमलेश जैन, राजेंद्र अवस्थी, दिलीप वाधवानी, राजू अग्रवाल, घनश्याम चंद्रानी, महेश राजपाल आदि कर्मी देखरेख में उक्त कार्यक्रम संपन्न करवाया जाएगा।

सार्वजनिक रामलीला कमेटी कॉटन मिल नैनी का कर्ण घोड़ा जुलूस 09 को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी (प्रयागराज)। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी परंपरागत तरीके से सार्वजनिक रामलीला कमेटी कॉटन मिल नैनी का कर्ण

कार्यक्रम होगा। जिसके लिए 09 अक्टूबर शुक्रवार की शाम को 5:00 बजे रामलीला प्रांगण से कर्ण घोड़ा जुलूस निकालकर क्षेत्र के पी.ए.सी कॉलोनी, चक



घोड़ा जुलूस 09 अक्टूबर शुक्रवार की शाम को तकरीबन 5:00 बजे बड़े ही साज-सज्जा के साथ निकलेगा। जिसकी तैयारी बड़े ही जोर-जोर के साथ की जा रही है। यह बातें रामलीला कमेटी के अध्यक्ष रावेन्द्र जयसवाल ने बुधवार की दोपहर अभिनंदन गेस्ट हाउस नैनी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया, कि विगत 13 वर्षों से नैनी में ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से रामलीला कराया जा रहा है। जहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ होती है। इस वर्ष की रामलीला का मंचन 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक होगा। 21 अक्टूबर को राम दश शोभायात्रा (दशहरा) एवं 22 अक्टूबर को भरत मिलाप

भटाही, कॉटन मिल तिराहा, शंकर ढाल, नैनी बाजार, स्टेशन रोड, हनुमान नगर, मेवालाल की बगिया, न्यू सब्जी मंडी होते हुए पुनः रामलीला परिसर में ले जाकर समापन किया जाएगा। जुलूस में कई आकर्षक चौकिया शामिल रहेगी। जिस पर कलाकारों के द्वारा अपने कला का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर सार्वजनिक रामलीला कमेटी के अध्यक्ष रावेन्द्र जयसवाल, समर बहादुर सिंह, लक्ष्मी नारायण तिवारी, राजन शुक्ला, हरि कृष्ण तिवारी (बबलू), नामित पार्श्व दिलीप केसरवानी, गुरु प्रकाश राव उर्फ बुलबुल राव, बुजेश सिंह, शशि भूषण, धर्मराज पटेल समेत कमेटी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) कैंशल के महत्वपर कॉमिक्स

कंप्यूटर अभियंता का कार्य कठिन होता है।

हम कंप्यूटर अभियंता और प्रोग्रामिंग की विभिन्न तकनीकों का अध्ययन करते हैं।

प्रोग्रामिंग रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

अवैध रेत उत्खनन तथा भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई, बटली घाट पर दबिश देकर अवैध उत्खनन में संलिप्त तीन वाहन जब्त, एक वाहन मौके से फरार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। तहसील बुढार अंतर्गत एमपी18जेडएच 4734 पाए गए। जांच में इनके वाहन स्वामी शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। 330 घन मीटर रेत का



सोन नदी के बटली घाट से विगत चार दिनों से अवैध रेत उत्खनन की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर के निर्देश एवं खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम द्वारा 7 अक्टूबर 2026 को प्रातः 5 बजे ग्राम जरवाही स्थित बटली घाट पर दबिश देकर जांच की गई। जांच के दौरान मौके पर मजदूरों द्वारा खनिज रेत का अवैध उत्खनन किया जाना तथा वाहनों में रेत लोड किया जाना पाया गया। मौके पर अवैध उत्खनन में संलिप्त तीन वाहन क्रमांक एमपी-18 जे ड ड ई - 7 0 2 6 , एमपी 18जी ए4878 एवं क्रमशः पवन साहू, प्रकाश साहू एवं सागर सुशवाहा, सभी निवासी जरवाही, पाए गए। खनिज विभाग की टीम द्वारा तीनों वाहनों को जब्त कर थाना बुढार की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। कार्रवाई के दौरान एक वाहन जांच दल को देखकर मौके से फरार हो गया। फरार वाहन के मालिक का नाम विक्की यादव पिता किशोर यादव, निवासी जरवाही बताया गया है। उसके विरुद्ध थाने में पृथक् से प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। उक्त सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध अवैध खनन एवं परिवहन का प्रकरण पंजीबद्ध कर अभियंता कार्रवाई हेतु माननीय न्यायालय

किया गया विनिष्टीकरण-प्राप्त शिकायतों के आधार पर 6 अक्टूबर 2026 को खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से तहसील जैतपुर अंतर्गत ग्राम कमता एवं लुकामपुर में भी कार्रवाई की गई। ग्राम कमता में 150 घन मीटर तथा ग्राम लुकामपुर में तीन स्थानों पर 180 घन मीटर, इस प्रकार कुल 330 घन मीटर खनिज रेत के अवैध भंडारण का जे सी बी वे 5 माध्यम से विनिष्टीकरण किया गया। जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी है।

सुनिए कथा रघुनाथ की टीम के नवयुवकों की मेहनत रंग लाई सई नदी हुई साफ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को वर्षों से सुनिए कथा रघुनाथ की समिति के नवयुवक सदस्यों को देखा

साफ दिखाई पड़ रही है। नवयुवकों के इस कृत्य की



गंदी पड़ी सई नदी प्रशासन की उपेक्षा से बदहाल पड़ी हुई थी। नहीं गया और उन लोगों ने उसकी सफाई का बीड़ा उठाया।

चहुतरफा प्रशंसा हो रही है। नदी को स्वच्छ बनाने में मुख्य रूप



शहीद स्मारक को जाने वाले पुराने पुल के एक तरफ जलकुंभी जमा होने से नदी का जल बिल्कुल दिखाई नहीं देता था, जिससे जलीय जानवरों ने अपना ठिकाना बना लिया था, जिससे आम आदमी उधर से निकलने में इरता था। नदी की उस दुर्दशा

से विवेक मिश्रा पल्लू, राजन दीक्षित, राजेश सिंह, बबलू सिंह तकिरिया, विनय शंकर शुक्ला, शोख शुक्ला, राजेंद्र शुक्ला, शशिकांत शुक्ला, अभिषेक उपाध्याय, प्रदीप पांडेय, बी.पी. त्रिपाठी तथा नीलेश सचान की प्रमुख भूमिका रही।

डीएम की अध्यक्षता में विकास परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु बैठक सम्पन्न विभागवार भूमि संबंधी प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता, भूमि चयन तथा लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता है, उन्हें भूमि संबंधी प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में जनहित से जुड़ी विकास परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए भूमि की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चरण है। अतः भूमि चयन संबंधित प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने संबंधित उप जिलाधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने अपने क्षेत्र में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए उपयुक्त सरकारी भूमि की उपलब्धता का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही समय से सुनिश्चित करें। जहां सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां नियमानुसार वैकल्पिक भूमि की उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने लंबित भूमि संबंधी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास परियोजनाओं से संबंधित विभाग एवं कार्यदायी संस्थाएं आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें। भूमि से संबंधित किसी भी स्तर पर समस्या अथवा तकनीकी कठिनाई आने पर संबंधित अधिकारियों के

संज्ञान में तत्काल लाया जाए, जिससे उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परियोजना के लिए आवश्यक भूमि की स्थिति स्पष्ट रखते हुए संबंधित कार्यवाही की नियमित समीक्षा की जाए। बैठक में डीएमओ प्रखर मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी ऊंवाहार विवेक राजपूत, उप जिलाधिकारी सलोन अंकित कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेंसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रविजय सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शनि अमावस्या और पितृ अमावस्या पर होगा महायज्ञ, भजन संध्या व भव्य झांकियों का आयोजन, श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर में होगा पितृदोष निवारण एवं शनि शांति महायज्ञ, श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की भी व्यवस्था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनि अमावस्या एवं पितृ

विद्वान आचार्य श्री पीसी भट्ट एवं उनकी टीम द्वारा पितृदोष निवारण



अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार, 10 अक्टूबर को यमुना पुस्ता मार्ग, सेंक्टर-14A के सामने स्थित श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर के प्रांगण में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। बुधवार को नोएडा मीडिया क्लब में समिति द्वारा प्रेसवार्ता कर जानकारी दी गयी कि शनि सेवा समिति (पंजी.), नोएडा की ओर से आयोजित इस महापर्व में पितृदोष निवारण एवं शनि शांति महायज्ञ, सुंदरकांड पाठ, भंडारा, भजन संध्या और आकर्षक धार्मिक झांकियों का आयोजन होगा। समिति के अध्यक्ष डा.मान सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 10:30 बजे

एवं शनि शांति महायज्ञ विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ कराया जाएगा। श्रद्धालु अपने पितरों के नाम से यज्ञ में आहुति देकर शनिदेव महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही सुबह 11 बजे विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में शाम 4 बजे सुंदरकांड का पाठ होगा। इसके समापन के बाद भजन संध्या और मनमोहक धार्मिक झांकियों की प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। शाम 7 बजे संध्याकालीन आरती तथा शाम 7:30 बजे से रात 10 बजे तक भजन संध्या एवं झांकियों का

आयोजन किया जाएगा। समिति के मंत्री एड.राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि शनि अमावस्या और पितृ पर्व पर नोएडा के मंदिर के साथ वर्ष 2003 से ही श्री सिद्ध पीठ शनि धाम मंदिर, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में भी भंडारे की व्यवस्था शनि मंदिर नोएडा की प्रबंध कमेटी द्वारा संचालित की जा रही है। आयोजन समिति के अनुसार ग्वालियर का शनि मंदिर त्रेतायुग से प्रसिद्ध है। अक्टूबर 2003 में वहाँ से अखंड ज्योति नोएडा लाई गई थी तथा उसी अमृत पत्थर से निर्मित शनिदेव महाराज की प्रतिमा वर्तमान में नोएडा स्थित मंदिर में विराजमान है। कार्यक्रम में सांसद डॉ. महेश शर्मा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मौजूद रहेंगे, जबकि कृष्णपाल मलिक राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, विधायक पंकज सिंह और भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजकों ने सभी शनि भक्तों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वर्ष की अंतिम शानि अमावस्या के इस धार्मिक अवसर पर मंदिर पहुँचकर महायज्ञ में अपने पितरों के नाम से आहुति दें और धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करें।

नोएडा पुलिस कर्मियों के लिए भावातीत ध्यान पर विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और समग्र कल्याण को ध्यान

रूप से अधिक शांत अवस्था की ओर जाता है और शरीर को गहरे विश्राम का अनुभव होता है। स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन

कई प्रतिभागियों ने इस प्रक्रिया को आगे सीखने और इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने में रुचि व्यक्त की। भावातीत



में रखते हुए नोएडा पुलिस लाइन के ऑडिटोरियम में भावातीत ध्यान (ट्रान्सेडेंटल मेडिटेशन) पर एक विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोएडा पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को भावातीत ध्यान की सरल एवं सहज प्रक्रिया से परिचित कराना तथा यह समझाना था कि नियमित ध्यान अभ्यास मानसिक शांति, आंतरिक संतुलन और स्पष्ट सोच के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकता है। पुलिस सेवा की व्यस्त और चुनौतीपूर्ण कार्यप्रणाली को देखते हुए कार्यक्रम में मानसिक एवं शारीरिक विश्राम के महत्व पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान भावातीत ध्यान की प्रकृति और इसके अभ्यास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि यह एक सरल, प्राकृतिक और सहज प्रक्रिया है, जिसमें मन को विचारों से जबरदस्ती हटाने या किसी एक बिंदु पर एकाग्र करने का प्रयास नहीं किया जाता। अभ्यास के दौरान मन स्वाभाविक

मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से टीएम शिक्षकों अदिति श्रीवास्तव और गौरव ठाकुर ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। उन्होंने भावातीत ध्यान की प्रक्रिया, इसके नियमित अभ्यास और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को महर्षि महेश योगी के विचारों और ध्यान एवं चेतना के क्षेत्र में उनके योगदान से भी परिचित कराया गया। कार्यक्रम में योग एवं प्राणायाम को भी शामिल किया गया। सुमित मलिक, पीयूष और प्रीति ने प्रतिभागियों को योग, स्ट्रेचिंग, विश्राम एवं प्राणायाम के विभिन्न अभ्यास कराए। इन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को शरीर और मन को तनावमुक्त रखने तथा स्वस्थ दिनचर्या विकसित करने के व्यावहारिक तरीकों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने भावातीत ध्यान के बारे में जानकारी प्राप्त करने में उत्साह दिखाया। प्रतिभागियों को बताया गया कि भावातीत ध्यान को प्रशिक्षित शिक्षक से व्यक्तिगत रूप से सीखा जाता है और इसे सीखने के लिए पाँच-दिवसीय पाठ्यक्रम निर्धारित है।

ध्यान का अभ्यास आराम से बैठकर आंखें बंद करके दिन में दो बार लगभग 15-20 मिनट किया जाता है। यह सहज प्रक्रिया है, जिसमें विचारों को रोकने या मन को नियंत्रित करने का प्रयास नहीं किया जाता। कार्यक्रम के माध्यम से नोएडा पुलिस कर्मियों को कार्य की निरंतर जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बीच अपने मानसिक एवं आंतरिक संतुलन पर ध्यान देने के लिए एक सरल और व्यावहारिक दृष्टिकोण से परिचित कराया गया। ऐसे कार्यक्रम पुलिस कर्मियों के व्यक्तिगत कल्याण के साथ-साथ उनके कार्यक्षेत्र में बेहतर मानसिक स्पष्टता और संतुलन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया विभिन्न संस्थानों के सहयोग से भावातीत ध्यान वेड प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। महर्षि महेश योगी द्वारा प्रस्तुत भावातीत ध्यान को आधुनिक जीवन के लिए एक सरल और सहज प्रक्रिया के रूप में लोगों तक पहुँचाने का प्रयास इन पहलों के माध्यम से जारी है।

सैंक्टर-49 में लंबे समय से नहीं हुआ जी.एम. सिविल का आधिकारिक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सैंक्टर-49 में लंबे समय से नौएडा प्राधिकरण वेड महाप्रबंधक (सिविल) स्तर पर आधिकारिक निरीक्षण नहीं होने को लेकर स्थानीय स्तर पर चिंता व्यक्त की गई है। सैंक्टर की विभिन्न नागरिक समस्याओं एवं सिविल विभाग से संबंधित जनशिकायतों को देखते हुए सांसद डॉ. महेश शर्मा के राजनीतिक सलाहकार प्रशांत त्यागी द्वारा नौएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल) श्री एस.पी. सिंह को पत्र जारी कर सैंक्टर-49 का आधिकारिक निरीक्षण किए जाने का अनुरोध किया गया है। पत्र में सैंक्टर की विभिन्न समस्याओं का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों के



कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। स्थानीय निवासियों और स्थानीय आर.डब्ल्यू.ए. की अपेक्षा है कि महाप्रबंधक (सिविल) स्वयं सैंक्टर-49 नौएडा का निरीक्षण करें जोकि काफी लंबे समय से लंबित है तथा जनसमस्याओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लें और शीघ्रताशीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें। मुख्य मांग: महाप्रबंधक (सिविल), नौएडा प्राधिकरण द्वारा सैंक्टर-49 नौएडा के शीघ्र आधिकारिक स्थलीय निरीक्षण की तारीख निर्धारित कर स्थानीय आर.डब्ल्यू.ए. पदाधिकारियों को सूचित किया जाए तथा निरीक्षण की निर्धारित तिथि पर स्थानीय निवासियों को समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर उनसे समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को तय समय सीमा में निस्तारण किए जाने के आदेश पारित किये जायें।

मतदान के समय मतदाता फोटो पहचान पत्र अथवा वैकल्पिक पहचान दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र जिलाधिकारी/सहायक रेटिनिंग ऑफिसर, वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, जनपद-सोनभद्र ने अवगत करायिका कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 06 अक्टूबर, 2026 तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खण्ड स्नातक एवं वाराणसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के लिए दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को होने वाले मतदान में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय ऐसे मतदाता, जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किये गये हैं, को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए मत देने से पूर्व अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने अवगत करायिका कि ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, वे अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निम्नलिखित वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं— (1) आधार कार्ड, (2) ड्राइविंग लाइसेन्स, (3) पैन कार्ड, (4) भारतीय पासपोर्ट, (5) राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों अथवा अन्त्य भुजि आर्थोगिक घरानों द्वारा अन्त्य कर्मचारियों को जारी सेवा पहचान-पत्र, (6) सांसदों विधानकों/पाण्डों को जारी सरकारी पहचान-पत्र, (7) उस शैक्षिक संस्था द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र, जिसमें सम्बन्धित शिक्षक/स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नियोजित हो, (8) विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री/डिप्लोमा का मूल प्रमाण-पत्र, (9) सिख्य प्रधिकारी द्वारा जारी दख्खानता सम्बन्धी मूल प्रमाण विद्यांगता सम्बन्धी मूल प्रमाण पत्र तथा (10) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी यूनीकड डिसएंबलिटी आईडी (यूडीआईडी) आईडी। जिलाधिकारी/सहायक रेटिनंग ऑफिसर ने सम्बन्धित मतदाताओं से अपील की है कि वे दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को मतदान के लिए जाते समय अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र अथवा उपर्युक्त वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक मूल दस्तावेज मतदान के अनिवार्य रूप से साथ लेकर जाएं, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

पैसा लेने के मामले में सर्वे कानूनगो को जिलाधिकारी ने किया
 निलंबित जिलाधिकारी/अभिलेख अधिकारी ने प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने
 पर की कार्यवाई, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) को सौंपी जांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) दिया है। प्रकरण में सूबेदार सिंह सोनभद्र, जिलाधिकारी/अभिलेख द्वारा एक व्यक्ति से पैसा लिए अधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने जाने का वीडियो सामने आया



शासकीय कार्यों में अनियमितता के मामले को गंभीरता से लेते हुए श्री सूबेदार सिंह, सर्व कार्यागो (प्रभारी पेशकार), कार्यालय सहायक अभिलेख अधिकारी, निलंबित ओबरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर

था। मामले का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी/अभिलेख अधिकारी ने प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की। निलंबन अवधि में संबंधित कर्मचारी को तहसील घोरावल से संबद्ध किया गया।

बिना फिटनेस दौड़ रही एम्बुलेंस पर परिवहन विभाग का शिकंजा, दो दिन में छह एम्बुलेंस का चालान, करीब 40 वाहनों की फिटनेस फेल-फिटनेस, इंश्योरेंस व प्रदूषण की हो रही जांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) किया गया। अभियान के पहले से भाग निकले। एआरटीओ सोनभद्र परिवहन आयुक्त के दिन पीटीओ मनोज कुमार गप्ता कौशल कुमार सिंह ने बताया



मालान की कारबाई करते पीटीओ मनोज गुप्ता

निर्देश पर जनपद में बगैर वैध कागजात और फिटनेस के संचालित हो रही एम्बुलेंस के खिलाफ परिवहन विभाग ने विशेष चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। बुधवार को एआरटीओ कौशल कुमार सिंह के नेतृत्व में पिपरी रोड पर चलाए गए अभियान में दो और एम्बुलेंस बगैर आवश्यक कागजात के संचालित मिलीं, जिनका चालान

नै चार एम्बुलेंस का चालान किया गया था। इस तरह दो दिनों में छह एम्बुलेंस वेक खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी हैं। चेकिंग के दौरान एम्बुलेंस की फिटनेस, इंश्योरेंस और प्रदूषण प्रमाणपत्र समेत अन्य जरूरी कागजातों की जांच की जा रही है। उधारटीओ के जांच अभियान को देखकर कुछ अन्य एम्बुलेंस चालक अपने वाहन सड़क किनारे छोड़कर मौके

वाहन सड़क पर संचालित मिला तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग के इस अभियान का उद्देश्य एम्बुलेंस के संचालन में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के साथ सथीनों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है। विभाग की टीम लगातार एम्बुलेंस की जांच कर रही है और नियमों का उल्लंघन मिलने पर चालान की कार्रवाई की जा रही है।

डीएम के पहल पर एसडीएम और लेखपाल का टकराव समाप्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। कई दिनों से चल रहे एसडीएम हटाओ का आएं, कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर वार्ता हुई जिसमें रामचंद्र लेखपाल पर चल रहे विभागीय



हुआ अंत, जिलाधिकारी सोनभद्र और लेखालाह सोन के प्रतिनिधि मंडल से वार्ता होने के बाद मिले निर्देश के त्म में आज दिनांक 07-10-2026 को सुबह 11 बजे एसडीएम सदर और तसीलीदार सदर चाल रहे ओढौलन को समाप्त करवाने के लिए री पर

चुनाव आयोग ने पैदा किया संवैधानिक संकट-रोसा, मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा दें, म्योरपुर ब्लॉक पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा पत्रक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) तरफ से म्योरपुर ब्लॉक में



म्योरपुर, सोनभद्र। नए मतदानाओं को जोड़ने वाले फॉर्म 6 में किए गए संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट की दिष्णणी के बाद अब यह साफ हो गया है कि चुनाव आयोग की यह कार्यवाही पूरी तौर पर सिवाधान के विरुद्ध और अनाधिकृत थी। चुनाव आयोग

आयोजित प्रदर्शन में उठाई गई।
प्रदर्शन के द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी



मुर्मू को पत्रक भेजा गया। पत्रक में चुनाव आयोग की गैर संवैधानिक कार्रवाई के खिलाफ देश में हो रहे आंदोलन पर दमन पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से लोकतांत्रिक अधिकारों को सुनिश्चित करने

की मांग भी की गई। इसके अलावा बीडीओ मयूरपुर को जी राम जी योजना में बकाया मजदूरी, शुद्ध पेयजल और शिक्षा-स्वास्थ्य व रोजगार के सवाल पर भी मांग पत्र दिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कुपाशंकर पनिका, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सारद प्रसाद पनिका, रोजगार-सामाजिक अधिकार अभियान की पुर्वज सहसंयोजक रूबी सिंह गाँव, राजगार अधिकार अभियान की जिला संयोजक सविता गोवं, राजेंद्र प्रसाद गोवं, महासचिव कांग्रेस जीत कुमार

सत्कार इकाइयों के फायर एन.ओ.सी. एवं सराय एक्ट के पंजीयन की होगी
मासिक समीक्षा, 09 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी समीक्षा बैठक
सत्कार इकाइयों के संचालक संबंधित अभिलेखों के साथ बैठक में करें प्रतिभाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अक्टूबर 2026 को अपराह्न 01 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र फायर एन.ओ.सी. तथा सराएट्ट-1867 के अधीन पंजीयन संबंधित अभिलेखों एवं स्थिति व



में आयोजित की जाएगी। बैठक में जनपद की सत्कार इकाइयों में

फायर एन.ओ.सी. तथा सराय एक्ट-1867 के अधीन पंजीयन के संबंधित अभिलेखों एवं स्थितिकी समीक्षा की जाएगी। श्री रोशे चन्द्र जी ने जन्मद के समस्त होटल/मोटल/गेस्टहाउस/धर्मशाला/वेन्चर्ड होल/मैजेंट जस्टिस/रिजिस्ट्रार/डाबा आदि संस्कार इकाइयों के स्वामी, प्रोपराइटर, संचालनकर्ता एवं प्रबंधकों से अपील की है कि वे फायर एन.ओ.सी. एवं सराय एक्ट-1867 के अधीन पंजीयन के संबंधित आवश्यक अभिलेखों के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर बैठक में समसम्य प्रभाग करन सुनिश्चित करें।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिविलरिटी एडमिनिस्ट्रेटर
आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेंसी **N.G.O.**,
डिफेंस सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर
निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इंडस्ट्रीज, पेट्रोलियम
कम्पनी, फूड इंडस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी,
इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर
सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



हो, स्ट्रेस और गट हेल्थ का दो-तरफा रिलेशन है। इसे पाइंटर्स से समझिए- हमारा ब्रेन और आंतें लगातार एक-दूसरे को सिग्नल भेजते हैं। इसे 'गट-ब्रेन एक्सिस' कहा जाता है। जब तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो कभी-कभी होना सामान्य है लेकिन अगर ये शिकायतें लंबे समय तक बनी रहें या बार-बार लौटकर आएँ, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके अलावा- स्टूल में ब्लड दिखाई दे। वजन तेजी से घटे

शरीर में कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं। ये हार्मोन आंतों के सामान्य कामकाज और वहां मौजूद सूक्ष्मजीवों के वातावरण को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि मानसिक तनाव का असर अक्सर पेट पर भी पेट में लगातार दर्द रहे। बार-बार उल्टी हो। निगलने में परेशानी हो। लगातार ब्लोटिंग या पेट फूलने की समस्या हो। डेली रूटी प्रभावित होने लगे। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

शरीर में कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं। ये हार्मोन आंतों के सामान्य कामकाज और वहां मौजूद सूक्ष्मजीवों के वातावरण को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि मानसिक तनाव का असर अक्सर पेट पर भी पेट में लगातार दर्द रहे। बार-बार पेट उठती हो। गिगलने में परेशानी हो। लगातार ब्लोटिंग या पेट फूलने की समस्या हो। डेली रूटी प्रभावित होने लगे। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

क्या कुछ करियर में ‘डीजे’ अकेलापन दूर करने का तरीका है?

हमारी कुक कमला शाहू महीने में कम-से-कम दस बार हमसे शिकायत करती हैं कि वे कभी भी रात 2 बजे से पहले नहीं सो पातीं। ऐसा तब है, जब वे रोज रात 8 बजे हमारे घर से चली जाती हैं



और पांच मिनट के वॉकिंग डिस्टेंस पर ही रहती हैं। इसकी वजह उनका तीसरा अविवाहित बेटा सतीश है, जो नौकरी के बाद डिस्क जॉकी (डीजे) का काम भी करता है और होटल से रात 1.30 बजे लौटता है। कमला उसे खाना परोसने के बाद ही सो पाती हैं। पिछले महीने जब सतीश की शादी हुई, तो मैंने यू ही उससे कहा कि चूँकि तुम्हारी शादी हो गई है तो अब डीजे का काम छोड़ सकते हो। लेकिन सतीश ने मुझे अलग नजरिया दिया। उसने बताया कि वह एक बड़ी फर्म के बैंकएंड में काम करता है, जहां अकेलापन बहुत परेशान करता है। इसलिए डीजे पूरे दिन क्रिएटिव बने रहने में उसकी मदद करता है। उसने कहा कि ‘डीजे म्यूजिक पूरी तरह जाने-पहचाने साइंट्स को नए संदर्भ में पेश करने पर आधारित होता है।’ इसलिए डीजे मश-अप या चतुराई भरे ट्रैजिशन को सुनना आपके दिमाग को सिखाता है कि रोजमर्रा के काम में भी दो बिल्कुल अलग कॉन्सेप्ट को कैसे जोड़ा जाए।’ उसने कहा कि दुनिया के कई बेहद अमीर आंत्रेन्योरस कुछ घंटों के लिए डीजे का काम करते हैं, क्योंकि यह कई अहम तरीकों से आपकी कम्पनाशाक्ति बढ़ाने के लिए ताकतवर उद्देरक का कार्य करता है। घर लौटकर मैंने उन

आयुष्मान भारत और प्राइवेट हेल्थ इश्योरेंस: क्या आपको दोनों की ज़रूरत है?

लेखक - श्री अमरनाथ सक्सेना, चीफ टैक्निकल ऑफिसर - कमर्शियल, बजाज जनरल इश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लाइफ भारतीयाँ के लिए, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेवाई) ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाई है। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों के लिए यह योजना मेडिकल इमरजेंसी के समय आर्थिक सहारा साबित हुई है। इससे परिवारों को इलाज के खर्च की चिंता नहीं करनी होती है और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं होना पड़ता है।आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने इस सोच को और मजबूत किया है। इसके तहत आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) सिस्टम में 90 करोड़ से ज्यादा नागरिकों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। गौरतलब है कि इनमें लाभभाा और रजिस्ट्रेशन मॉडलों के हैं। एबी-पीएमजेवाई के तहत पात्र परिवारों को हर साल २5 लाख तक का कॉशलेस हेल्थ अकाउंट मिलेगा और इससे प्राइवेट हेल्थ इश्योरेंस की जरूरत खत्म हो जाती है। सच यह है कि सरकारी योजना आर्थिक सुरक्षा जरूर देती है, लेकिन हर तरह की स्वास्थ्य जरूरत को पूरा करने के लिए यह हमेशा पर्याप्त नहीं होती। मेडिकल क्षेत्र में बढ़ती महंगाई, इलाज के खर्च में लगातार बढ़ाव और एडवांस मेडिकल टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल के साथ, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च कई मामलों में योजना के तहत मिलने वाले कवरेज से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में केवल सरकारी इश्योरेंस पर निर्भर रहने से कुछ परिस्थितियों में व्यक्ति और परिवारों को अपनी जेब से काफी खर्च करना पड़ सकता है। आयुष्मान भारत में क्या कवर किया जाता है?आयुष्मान भारत पात्र परिवारों को हॉस्पिटलाइज़ेशन कवरेज देता है, जिसके तहत पूरे भारत में योजना से जुड़े सरकारी और प्राइवेट

प्रमुख ऑंत्रेन्योरस की सर्व की, जो कॉमिनिव फ्लैक्टिविटी बढ़ाने के लिए डीजे म्यूजिक इस्तेमाल करते हैं। जाहिर तौर पर डीजे सेट्स के साथ जुड़ने से उन खास न्यूअल पाथ-वे को एक्सरसाइज होती है, जो करना और फिर डीजेइंग करना, दोनों के लिए समान स्किल चाहिए।' वे सही भी हैं।वकीलों और डीजे, दोनों को माहौल समझना पड़ता है, उसी स्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देनी पड़ती है। तात्कालिक

परिस्थितियों से निपटना पड़ता है। चाहे अदालत में सुनवाई हो या कलाइंट के साथ बिजनेस मीटिंग, दोनों में ही मौँके के अनुसार ही खुद को ढालना पड़ता है। दिलचस्प यह है कि कुछ लोग 60 साल की उम्र में भी डीजेइंग शुरू करते हैं। जैसे, टीना वुड्स, जिन्हें डीजे टीना भी कहते हैं। उन्होंने ब्रिटेन में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत हेल्थ इनोवेशन कं सल्टेंसी 'कोलाइडर हेल्थ' स्थापित की है। आज 62 की उम्र में टीना कहती हैं कि 'आंत्रेन्योर होना बेहद अकेलेपन से भरा है और डीजे मुझे सामाजिक रूप से कनेक्ट रखता है।' ऐसे फाउंडर्स की सूची बहुत लंबी है, जो आज डीजेइंग कर रहे हैं या जिन्होंने कंपनी स्टार्ट करने से पहले डीजेइंग शुरू की थी।लेकिन यदि आप उनमें से हैं, जो दिनभर के कारोबार या हाई-प्रेसर जॉब के बाद घर जाकर सो जाते हैं और अगले दिन फिर वही शुरू करते हैं तो अगर आपको डीजेइंग असहज लगती है तो तनावमुक्त होने के लिए म्यूजिक का सहारा ले सकते हैं। फंडा यह है कि जीवन में या वर्कलेस पर अकेलेपन को मात देने के लिए आपको जरूर कोई तरीका खोजना चाहिए। किसी का साथ म्यूजिक सुनना भी एक थैरेपी है, जिसे आजमाया जा सकता है।एन. रघुरामन

बिहार के विकास के बिना पूरा नहीं होगा विकसित भारत का सपना

भारत जब वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का संकल्प लेकर बढ़ रहा है तो यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार की इसमें क्या भूमिका



होगी। भारत की जीडीपी में शीर्ष राज्यों का योगदान सराहनीय हो सकता है, लेकिन जब तक देश का पूर्वी हृदयस्थल अपनी पूर्ण क्षमता से आर्थिक उत्पादन, नवाचार और औ?धोगिक पुनर्जागरण का केंद्र नहीं बनेगा, विकसित भारत का सपना परिणति तक नहीं पहुंच सकता। बिहार का आर्थिक यथार्थ निराशा के पुराने विमर्श से बाहर निकल चुका है। 2024-25 में राज्य की जोएसडीपी वृ?द्धि दर स्थिर मूल्यों पर 8.6फीसदी और वर्तमान मूल्यों पर 13.1फीसदी दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (2023) के अनुसार राज्य की बहुआयामी गरीबी 51.89फीसदी (2015-16) से घटकर 33.76फीसदी पर आ गई है, जो गरीबी उन्मूलन की सबसे तेज गति है। बिहार का पिछड़ापन कोई अपरिहार्य स्थिति नहीं, बल्कि विशिष्ट ऐतिहासिक, नीतिगत और संरचनात्मक आघातों का परिणाम रहा है। मगध और वैशाली ने भारत को प्रथम साम्राज्य, लोकतांत्रिक गणराज्य और चाणक्य का अर्थशास्त्र दिया। नालंदा और विक्रमशिला ज्ञान के वैश्विक केंद्र थे। किंतु 12वीं-13वीं सदी में इन ज्ञान-केंद्रों पर बर्बर आघात हुए और औपनिवेशिक काल में 1793 के 'स्थायी बंदोबस्त' (जमींदारी व्यवस्था) ने कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समाज को बंधूआ बना दिया। गिरमिटिया प्रथा के तहत लाखों श्रमिकों का पलायन हुआ। 1952 की 'माल भाड़ा समानीकरण नीति' ने पूर्वी भारत के खनिजों को पूरे देश में समान लागत पर उपलब्ध

कराकर बिहार का औ?धोगिक लाभ समाप्त कर दिया। अंततः राज्य विभाजन के बाद समस्त खनिज संपदा और भारी उ?द्योग झारखंड चले गए। आज राज्य की 50फीसदी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। प्रशासनिक सेवा समेत विविध क्षेत्रों में बिहार की मेधा दमक रही है। इस ब्रेन ड्रेन को रिवर्स ब्रेन गेन' में बदलने के लिए स्थानीय परिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है। गंगा पर राष्ट्रीय जलमार्ग-1 बिहार को सीधे वैश्विक समुद्री व्यापार से जोड़ता है। राज्य में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क राज्य को दक्षिण-पूर्व एशिया का व्यापारिक प्रवेश द्वार बना सकते हैं। मखाना, शाही लीची, मक्का और केला के लिए मेगा फूड पार्क किसानों की आय बढ़ा सकते हैं। बैाढ़, रामायण, जैन और सिख पर्यटन सॅक्रेड विदेशी मुद्रा अर्जन के बड़े स्रोत बन सकते हैं। इस रूपांतरण के लिए चरणबद्ध राष्ट्रीय कार्ययोजना आवश्यक है। 2026-2030 के पहले चरण में बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और संस्थागत वित्तपोषण करना होगा। 2031-2040 तक में विनिर्माण, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग, सूचना प्रौ?धोगिकी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे उद्योगों पर ध्यान देना होगा। 2041-2047 के अंतिम चरण में ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, नवाचारों के जरिए प्रति व्यक्ति आय को राष्ट्रीय औसत के समकक्ष लाना होगा। महिला श्रमबल भागीदारी को 45फीसदी से ऊपर ले जाना अनिवार्य है।

गंगा पर विस्तृत राष्ट्रीय जलमार्ग-1 बिहार को हलदिया और कोलकाता बंदरगाहों के माध्यम से सीधे वैश्विक समुद्री व्यापार से जोड़ता है। पटना, भागलपुर और सारण में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क राज्य को पूर्वी भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया (आसियान) का व्यापारिक प्रवेश द्वार बना सकते हैं। किसी राज्य का रूपांतरण केवल सरकारी योजनाओं और वित्तीय आवंटन से नहीं हो सकता। इसके लिए योग्यता, नवाचार और उद्यमशीलता को सामाजिक प्रतिक्रिया देनी होगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं,कुमार रोहित)

भाजपा पर सत्ता-विरोधी लहर का असर क्यों नहीं होता?

हाल ही में राहुल गांधी ने पूछा था कि एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा सत्ता-विरोधी लहर से इतनी अप्रभावित क्यों दिखाई देती है? उन्होंने कहा, मेरी दादी तक 1977 में सत्ता-विरोधी लहर में हार गई थीं। इसके बाद उन्होंने

यहीं राहुल गांधी से गलती होने का भी खतरा है। यह कहना कि भाजपा का चुनावी चर्वस्व मुख्यतः किसी धांधली का नतीजा है, राजनीतिक घटनाक्रम से जुड़े असुविधाजनक तथ्यों को नजरअंदाज करना होगा। इससे कांग्रेस और विपक्ष को अपनी



आरोप लगाया कि ऐसा चुनावी प्रक्रिया में छेड़छाड़ से ही सम्भव है। यह एक बेहद गम्भीर आरोप है। राहुल की यह बात तो मानी जा सकती है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को इधर झटका लगा है। एसआईएल के तहत मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने और अपीलों पर पर्सल से हो रही देरी से परिदर्शिता को लेकर सवाल उठे हैं। बंगाल में अब तक 22 लाख नागरिक अपील कर चुके हैं। जिन अपीलों पर सुनवाई हुई, उनमें से 93फीसदी वैध मतदाता पाए गए हैं। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि बिहार में मतदान जारी रहने के दौरान सरकार को नकद राशि हस्तांतरित करने की अनुमति दी गई, असम में खुलेआम हेट-स्पीच पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, मान्यता-प्राप्त दलों से चुनाव चिह्न छीनकर दलबंदल को वैध ठहराने की कोशिशें हुई और चुनाव कार्यक्रम को सत्तारूढ़ दल के अनुकूल 'समायोजित' किया गया। इसलिए आयोग अपने कामकाज को लेकर उठ रही चिंताओं को महज राजनीतिक आरोप कहकर खारिज नहीं कर सकता। लेकिन

राजनीतिक कमजोरियों से बच निकलने का अवसर भी मिलता है। सबसे सीधा सवाल ही लीजिए : क्या भाजपा की चुनावी सर्वेक्षण एजेंसियां भी इस साजिश का हिस्सा हैं? 2014 के बाद से हुए एक के बाद एक चुनावों ने दिखाया है कि नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता अब भी काफी मजबूत है, खासकर हिंदी पट्टी और पश्चिमी भारत के बड़े हिस्सों में। चुनावी सर्वेक्षण कम्पनी-कम्पनी तरह गलत भी साबित होते हैं, लेकिन इसके पीछे मौजूद वास्तविक परिघटना को ही खारिज कर लहर को एक दशक में भारतीय राजनीति में आए बदलाव को न समझ पाने के बराबर है। भाजपा ने एक बेहद मजबूत राजनीतिक और संगठनात्मक मशीन खड़ी की है, जिसकी बराबरी करने में कांग्रेस संघर्ष करती रही है। उसके पास विशाल कैंडर नेटवर्क है, आरएसएस का तंत्र है, गहरे वित्तीय संसाधन हैं, आक्रामक संचार तंत्र है, स्पष्ट वैचारिक आधार है और राष्ट्रीय विमर्श को चुनावी अभियानों में बदलने का पर्याप्त अनुभव है। एक ताकतवर चुनावी मशीन के प्रभाव

किसान और सरकार के संबंधों में एक मौलिक बदलाव आया है

पच्चीस वर्ष का समय पीछे मुड़कर यह देखने और समझने के लिए पर्याप्त होता है कि नरेंद्र मोदी के शासनकाल के- पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में- भारतीय कृषि के लिए क्या मायने हैं। यह यात्रा अक्टूबर 2001 में गुजरात से शुरू हुई थी, जब मोदी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, और मई

वाली ग्रामीण कनेक्टिविटी ने गांवों को बाजारों, बीज-खाद आपूर्तिकर्ताओं, विस्तार सेवाओं और कस्बों से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ा। एक दिलचस्प संस्थागत इनोवेशन ज्ञान को किसान तक पहुंचाने का प्रयास था। कृषि महोत्सव और कृषि रथ ने कृषि वैज्ञानिकों, विस्तार अधिकारियों और मिट्टी, पानी,

प्रयासों को नया आयाम दिया। इन सभी पहलों के पीछे का अंतर्निहित सिद्धांत भारत के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। पानी केवल एक कृषि इनपुट नहीं है; वह कृषि विकास का प्रमुख स्रोत है। मोटे अनाजों (मिलेट्स) को प्रोत्साहन के मोर्चे पर मोदी के प्रयासों को व्यापक समाज का समर्थन भी मिला है, जिसका



2014 में इसने एक राष्ट्रीय कैनवास का रूप ले लिया। गुजरात गाथा तो एक कृषि घमत्कार थी। 2001-02 से 2013-14 के बीच गुजरात की कृषि जीडीपी लगभग 9% प्रति वर्ष की दर से बढ़ी, जो प्रमुख राज्यों में सबसे अधिक थी। यह सफलता किसी एक योजना के दम पर नहीं मिली थी, यह पूरे इकोसिस्टम का परिणाम थी। गुजरात ने खेतों तक पानी पहुंचाने और प्रकृति द्वारा प्रदत्त जल को सहेजने में व्यापक निवेश किया। चेक डैम और खेत-तालाबों ने वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण में मदद की। नर्मदा नहर प्रणाली ने सिंचाई का विस्तार किया, जबकि माइक्रो-इरिगेशन ने किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन लेने में सक्षम बनाया। बिजली भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। ज्योतिग्राम योजना ने कृषि फीडरों को अलग किया और किसानों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराई। इससे सिंचाई अधिक सुनिश्चित हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार आया। इसके बाद सड़कों की बारी आई। हर मौसम में चालू रहने

तकनीक तथा उन्नत प्रथाओं से जुड़ी जानकारी को सीधे गांवों तक पहुंचाया। इसका मूल विचार यह था कि किसानों को ज्ञान के लिए संस्थानों तक जाने के बजाय कृषि-ज्ञान स्वयं किसानों तक पहुंचाना चाहिए। पानी, बिजली, सड़क, तकनीक, कृषि-विस्तार और बाजार- जब ये सभी तत्व साथ आए तो किसानों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कृषि विकास का इंजन बन गई। जो भी राज्य अपने किसानों और अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाना चाहता है, उसके लिए यह आज भी एक अनुकरणीय मॉडल है। मोदी पीएम बने, तो यह कैनवास एक राज्य से बढ़कर पूरे देश तक फैल गया। गुजरात के अनुभवों को राष्ट्रीय कार्यक्रमों में ढाला गया। जल प्रबंधन पर ध्यान दिया गया। मुदा स्वास्थ्य कार्ड ने वैज्ञानिक मिट्टी परीक्षण और सटीक पोषक तत्व प्रबंधन को मुख्यधारा में ला दिया। सिंचाई को अधिक एकीकृत दृष्टिकोण मिला, जिसमें वाटरशेड विकास, सूक्ष्म सिंचाई और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' पर अधिक बल दिया गया। अमृत सरोवर पहल ने जल संपत्तियों के निर्माण व कायाकल्प के

प्रमाण मिलेट्स की बढ़ती लोकप्रियता है। पीएम-किसान ने किसानों के हाथों में सीधी आय पहुंचवाई। जून 2026 तक, 23 किश्तों के जरिए 4.46 लाख करोड़ से अधिक की राशि स्थानांतरित की जा चुकी है। इसका महत्व सरकार और किसान के बीच प्रत्यक्ष, डिजिटल और पारदर्शी वित्तीय माध्यम स्थापित करने में है, जिसने बिचौलियों के प्रभाव को समाप्त कर दिया। सहकारिता क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इसका अलग मंत्रालय बनाया गया।

गुजरात के अनुभव को देखते हुए यह स्वाभाविक भी है, जहां सहकारिता का इको माध्यम मौजूद है। मोदी के 25 वर्षों के कार्यों पर दृष्टि डालें, तो कृषि विकास की एक गहरी अवधारणा स्पष्ट दिखाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में कृषि को जीमनी स्तर से समझा और राष्ट्रीय स्तर पर पिछले बारह वर्षों में उन विचारों में से कई को बड़े पैमाने पर लागू किया है। साथ ही कई नई और दूरदर्शी नीतियां दिखाए भी सामने आई हैं। (ये लेखक वेा अपने विचार हैं,अशोक गुलाटी)

‘म्यूज’ को इस्तेमाल करने से पहले इस पर्सनल असिस्टेंट के बारे में समझ लें

सभी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने एक कला में महारत हासिल कर ली है, जो उनका बिजनेस बन गई है। वे कोई चीज बनाती हैं, फिर आमजन को यकीन दिलाती हैं कि वे इसके बिना रह ही नहीं सकते। इसकी शुरुआत फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप से हुई थी, सही है ना? हममें से ज्यादातर लोग इनके बिना रह नहीं सकते, है ना? क्लास के स्टूडेंट की तरह गंगली उठाकर मत बोलिए कि ‘मैं ऐसा नहीं हूं।’ मैं सहमत हूँ कि कुछ लोग इनके आदी नहीं हुए होंगे। इसीलिए मैंने कहा कि ज्यादातर लोग। अब इसका सबसे ताजा उदाहरण मेटा प्लेटफॉर्म का पर्सनल एआई-एजेंट ‘म्यूज’ है। किसी सॉफ्ट टॉय के चर्ची वर्जन जैसे दिखने वाले म्यूज ने लोगों का ध्यान खींचा है। वरना 8 सितंबर 2026 को यूएस और कनाडा में लॉन्च होने के सिर्फ 22 दिनों में ही इसके 5 मिलियन से ज्यादा डाउनलोड कैसे हो गए? इस माइलस्टोन ने इसे अब तक के सबसे तेजी से बढ़ते एआई एप्स में शामिल कर दिया है, जिसने इनिशियल लॉन्च डाउनलोड स्पीड के मामले में चैटजीपीटी, ग्रेक और क्लॉड को भी पीछे छोड़ दिया। मेटा ने भारत में इसके ऑफिशियल लॉन्च की तारीख 5 टाइमलाइन घोषित नहीं की है।म्यूज के बारे में नहीं जानने वालों को बता दूँ कि हमारे टेक्स्ट का जवाब देने वाले सामान्य चैटबॉट्स के विपरीत म्यूज एक पर्सनल एआई-एजेंट है, लेकिन ‘एजेंटिक बिहेवियर’ के लिए। यह मल्टी-स्टेप टास्क संभालता है, बैंकग्राउंड में ऑटोमैटिकली काम करता है और हमारी ओर से डिजिटल सेवाओं के साथ बातचीत करता है। विशेषज्ञों को लगता है कि म्यूज के साथ आप जो भी जानकारी शेयर करते हैं, तकनीकी तौर पर वह मेटा के साथ शेयर हो सकती है। कंपनी कहती है कि इसका इस्तेमाल आपको विज्ञापन दिखाने के लिए नहीं किया जाएगा, लेकिन एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। यह कुछ हद तक हमारे द्वारा कौल सेट में की जाने वाली कॉलस जैसा ही है, जहां ऑटो-आंसर मशीन कहती है कि ‘यह कॉल आंतरिक इस्तेमाल और ट्रेनिंग के लिए रिकॉर्ड की जा सकती है’। आप सेटिंग्स में जाकर ऑप्ट-आउट कर सकते हैं, लेकिन मेटा का कहना है कि

ऐसे छिपे हुए प्रॉम्प्ट हो सकते हैं, जो बॉट्स को निर्देशों को नजरअंदाज कर निजी डेटा हैकर के अकाउंट्स पर भेजने के लिए कहें। अमेरिकन इकोनॉमिक लिबर्टीज प्रोजेक्ट के सीनियर लीगल काउंसिलर की हेनर कहते हैं कम से कम जब तक कोई विश्वसनीय विकल्प नहीं आता, ‘मेटा के ट्रैक रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो यह भरोसा देता हो कि वे निजी जानकारियों के प्रबंधक या कंस्ट्रॉडियन बनेंगे।’ म्यूज के शुरुआती यूजर्स निजी जानकारी के अप्रत्याशित रूप से लीक होने का जिक्र कर चुके हैं। टेक कमेंटेटर मेट रॉब ने हाल ही में बताया कि म्यूज ने उनके द्वारा बेचने के लिए पोस्ट किए गए एक आइटम की तय कीमत से कम कीमत संभावित खरीदार को बता दी और उसे उनके घर का पता भी दे दिया।

रूस के पास तेल टैंकर पर यूक्रेन का ड्रोन हमला ,23 भारतीय सवार थे ,तनाव से रूस का अनाज निर्यात 71फीसदी घटा

मॉस्को। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब

से शिपमेंट 24.9 लाख टन से घटकर 10.4 लाख टन रह



30फीसदी गेहूँ निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है। रूस से अब 16 देश ही गेहूँ खरीदते हैं:-रूसी गेहूँ खरीदने वाले देशों की संख्या 43 से घटकर 16 रह गई है। वहीं, रूस से अनाज भेजने वाले बंदरगाहों की संख्या 47 से घटकर 10 रह गई। देश के सबसे बड़े बंदरगाह नोवोरोसिस्क

गया। बंदरगाहों और जहाजों पर हमले बढ़ने से अनाज का समुद्री कारोबार प्रभावित हुआ है। दोनों देशों के गोदामों में अनाज मौजूद है, लेकिन उसे खरीदार देशों तक पहुंचाने में मुश्किल आ रही है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दिख रहा है। गेहूँ की कीमतें पिछले एक साल में करीब 30फीसदी बढ़ चुकी हैं। यूक्रेन ने सड़क-रेल से निर्यात

पीएम शहबाज का इमरान समर्थकों को बातचीत का न्योता,लॉन्ग मार्च पेशावर से 30किमी. दूर पूर्व पीएम की रिहाई की मांग से समझौता नहीं-सर्पोर्टर्स

इस्लामाबाद। उनका कहना है कि मुनीर शहबाज को

में 14 साल, दस्तावेज लीक में 10 साल और तोशाखाना केस



कमजोर प्रधानमंत्री के तौर पर पेश करना चाहते हैं, जिससे लोगों का सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़े। पाकिस्तान की राजनीति के इतिहास को देखते हुए शहबाज का सत्ता से जाना तय माना जा रहा है। इमरान 2023 से जेल में बंद, पत्नी-बहनें भी कैद हैं:-73 साल के इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। उन पर 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। तीन मामलों में सजा सुनाई गई है। अल कादिर ट्रस्ट केस

में 3 साल की सजा है। तोशाखाना केस में इमरान की पत्नी बुशरा भी जेल में हैं। सितंबर में इमरान की बहन अलीमा, उजमा और नूरीन को भी एहतियातन हिरासत में लिया गया है। 18 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को मेडिकल जांच और इलाज के लिए इस्लामाबाद के निजी अस्पताल में शिफ्ट करने का आदेश दिया था। 20 अगस्त की रात उन्हें निजी अस्पताल की बजाय पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिप्स)

अमेरिकी संसद में कैप्टन स्मित के सम्मान में प्रस्ताव पारित,आतंकी हमले को नाकाम करने की तारीफ का

वॉशिंगटन डीसी।उन्होंने टी-शर्ट से घाव दबाए, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने

बताई। उन्होंने कहा कि वह दुबई में रहते हैं और भारत से हैं। दर्द में उन्होंने कहा, 'मेरी मदद



क्रू से बर्फ मंगाई। करीब 45 मिनिट तक वह घावों पर दबाव बनाते रहे और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना है कि जब भी वह टी-शर्ट हटाकर घाव देखते, खून फिर तेज बहने लगता था। होश में रखने के लिए पूछा- कितने बच्चे हैं:- कैप्टन को होश में रखने के लिए मुसेव उनसे लगातार बात करते रहे। उन्होंने पूछा, 'आपके कितने बच्चे हैं, उनके नाम क्या हैं?' वह कैप्टन को भरोसा दिलाते रहे कि जल्द परिवार के पास पहुंच जाएंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र

कीजिए। मैं जीना चाहता हूँ, यहां मरना नहीं चाहता।' मुसेव के मुताबिक, एक समय कैप्टन की नब्ब बहुत धीमी हो गई। उन्होंने उनके पैर ऊपर किए तो नब्ब फिर चलने लगी। जब कैप्टन के होंठ नीले पड़ गए, तो मुसेव ने क्रू से कहा कि विमान को जल्द उतारना होगा। कैप्टन ने दर्द की दवा मांगी, लेकिन मुसेव ने देने से मना कर दिया। उनका कहना था कि कैप्टन का काफी खून बह रहा था, इसलिए उन्हें हिलाने या दवा देने से खून और बह सकता था। को-पायलट ने

मुख्य चुनाव आयुक्त का 2 दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा टला, मंदिर और वॉटरफॉल जाना था

नयी दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का 7 और 8 अक्टूबर को होने वाला छत्तीसगढ़ दौरा टाल दिया गया है। दौरे में ज्ञानेश कुमार को दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी माता मंदिर, बस्तर के चित्रकोट वॉटरफॉल और कवर्धा के भोरमदेव मंदिर जाना था। छत्तीसगढ़ के मुख्य



बढ़ाया, लेकिन सफाई कम-ब्लैक सी का समुद्री रास्ता प्रभावित होने के बाद यूक्रेन सड़क और रेल नेटवर्क के जरिए अनाज दूसरे देशों तक भेज रहा है। हालांकि इन रास्तों की क्षमता ब्लैक सी के बंदरगाहों की तुलना में काफी कम है। डेन्यूब नदी के रास्ते भी सीमित मात्रा में अनाज भेजा जा रहा है।

लेकिन जलस्तर और परिवहन क्षमता की वजह से यह विकल्प समुद्री रास्ते की पूरी भरपाई नहीं कर पा रहा है। मक्का की ग्लोबल सफाई पर भी असर का खतरा-ब्लैक सी में बढ़ते तनाव का असर सिर्फ गेहूँ पर नहीं, मक्का की सफाई पर भी पड़ सकता है। 2025-26 में यूक्रेन ने 2.3 करोड़ टन मक्का निर्यात किया था। यह दुनिया के कुल मक्का निर्यात का करीब 12फीसदी था। अगर मौजूदा हालात लंबे समय तक जारी रहे तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में मक्का की सफाई भी प्रभावित हो सकती है।

ले जाया गया। जांच के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। मार्च इस्लामाबाद से पहले रोकने की तैयारी-खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घोषणा की कि मार्च जारी रहेगा। टैंक, हेरा इस्माइल खान, दक्षिण वजीरिस्तान, उत्तर वजीरिस्तान, बन्नु और लक्की मारवत के समर्थक गांधी चौक से मार्च में शामिल हुए। प्रधानमंत्री शरीफ के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को इस्लामाबाद में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। वेंद्र सरकार ने

राजधानी की ओर जाने वाली सड़कों पर अतिरिक्त सुरक्षाबल तैनात किए हैं। सरकार से दो दौर की बातचीत, पर सहमति नहीं बनी:-सरकार और पीटीआई के बीच शुक्रवार और शनिवार को दो दौर की बातचीत हुई, लेकिन सहमति नहीं बनी। पीटीआई इमरान से तत्काल मुलाकात और उन्हें ऐसे अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग की, जहां उनके निजी डॉक्टर जांच और इलाज कर सकें। सरकार की ओर से प्रदर्शन रद्द करने की शर्त रखी गई थी।

इमरजेंसी के लिए रखे कुल्हाड़ी को हथियार बनाया-यूएई सरकार ने 3 अक्टूबर को बताया कि को-पायलट हमामी ने कैप्टन मच्छर पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इससे पहले विमान में मौजूद यात्रियों की शुरुआती जानकारी में चाक्रू से हमला किए जाने की बात सामने आई थी। विमान में इमरजेंसी के लिए एक ख़ास कुल्हाड़ी रखी जाती है, जिसे 'क्रैश एक्स' कहते हैं। इसका इस्तेमाल आग लगने पर किसी पैनल को काटकर अंदर तक पहुंचने, फंसे लोगों को बाहर निकालने का रास्ता बनाने या ज़रूरत पड़ने पर विमान के किसी हिस्से को काटने या खोलने के लिए किया जाता है। मुसेव ने कैप्टन को संभालने के साथ यात्रियों की हमलावर को पकड़ने में भी मदद की। यात्रियों ने हेडफोन की तार से उसके हाथ-पैर बांध दिए। वह छूटने की कोशिश करता रहा, तो यात्रियों ने उसे और कसकर बांध दिया। इसके बाद वह शांत हो गया। हमले के बाद विमान को सऊदी अरब के तबूक ले जाया गया। वहां कैप्टन मच्छर का इलाज हुआ। बाद में उन्हें यूएई ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी लेटर के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार को राज्य अतिथि घोषित किया गया था और उनके लिए ज़रूरी प्रोटोकॉल की व्यवस्था की गई थी।

लेटर में बताया गया कि अपरिहार्य कारणों से दौरा टाल दिया गया है। नई तारीख बाद में बताई जाएगी।

मेलोनी को अपनी आवाज चोरी होने की फिक्र ,एआई से बचने के लिए ट्रेडमार्क आवेदन दिया

रोमा।मेलोनी अपनी आवाज को ट्रेडमार्क कराने वाली पहली

टेलर स्विफ्ट ने आवाज के 2 सैंपल ट्रेडमार्क कराए-अप्रैल में



बड़ी हस्ती नहीं हैं। दुनिया के कई कलाकार पहले भी अपनी आवाज, नाम और पहचान से जुड़े अधिकारों को कानूनी सुरक्षा दिलाने की कोशिश कर चुके हैं। जनवरी में अमेरिकी अभिनेता मैथ्यू मैककोनाघी ने अपनी तस्वीर और आवाज को ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया था। अगस्त में 80 से ज्यादा कलाकारों ने ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम से ऐसा कानून बनाने की मांग की थी, जिससे लोगों को अपनी आवाज के इस्तेमाल पर कानूनी अधिकार मिल सकें।

गायिका टेलर स्विफ्ट ने भी अमेरिका में तीन ट्रेडमार्क आवेदन किए। इनमें एक आवेदन उनकी तस्वीर और दो आवेदन उनकी आवाज से जुड़े हैं। तस्वीर वाले आवेदन में स्विफ्ट की एरास दूर के दौरान मंच पर ली गई तस्वीर इस्तेमाल की गई है। इसमें वह गुलाबी गिटार पकड़े और चमकीले कपड़े पहने नजर आ रही हैं। यही तस्वीर पहले एरास दूर की फिल्म के प्रचार में भी इस्तेमाल हो चुकी है। दो अन्य आवेदन उनकी आवाज से जुड़े हैं। इनमें उनके पुराने एल्बम के

अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी कणों को पकड़ने का तरीका खोजा,2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

स्टॉकहोम। बल्कि यह भी पता लगा सकते हैं कि न्यूट्रिनो कहाँ

थी कि अंतरिक्ष से आने वाले बेहद ज्यादा ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो को



से आ रहे हैं और उनके पीछे कौन-सी ताकतवर अंतरिक्षीय घटना है। विशेषज्ञ नहीं थे, इसलिए अलग तरीके से सोच पाए:-फ्रांसिस हैल्जेन ने 1987 में न्यूट्रिनो पर काम शुरू किया, तब वे इस क्षेत्र के बड़े विशेषज्ञ नहीं थे। उन्होंने खुद बताया है कि उस समय उन्होंने न्यूट्रिनो से जुड़ी बहुत सारी किताबें और शोध नहीं पढ़े थे। ओगे चलकर यही बात उनके लिए फासेदमंद साबित हुई। उस समय वैज्ञानिकों के सामने बड़ी चुनौती

पकड़ा कैसे जाए। न्यूट्रिनो दूसरे पदार्थों के साथ बहुत कम टकराते हैं, इसलिए उन्हें पकड़ना बेहद मुश्किल होता है। इसके लिए बहुत बड़े डिटेक्टर की ज़रूरत थी। हैल्जेन ने इस समस्या को दूसरे तरीके से देखा। उन्होंने सोचा कि दक्षिणी ध्रुव के नीचे मौजूद साफ और गहरी बर्फ का इस्तेमाल ही एक विशाल डिटेक्टर की तरह ब्यों न किया जाए। अगर बर्फ के अंदर सेंसर लगाए जाएं, तो न्यूट्रिनो के किसी परमाणु से टकराने पर पैदा

राहुल-प्रियंका ने पुलिस का प्लान कैसे किया फेल,हिरासत के लिए बस में बैठाया, तो उतरकर आकाशवाणी ऑफिस में घुसे

नयी दिल्ली। एसआईआर के विरोध में मंगलवार को विपक्ष चुनाव आयोग तक डेवे मोक्रेसी मार्च निकाल रहा था। पुलिस ने रास्ता रोका, बैरिकेड लगाए और नेताओं को बसों में बैठाकर प्रदर्शन खत्म कराने की तैयारी की। तभी तस्वीर बदल गई। राहुल-प्रियंका गांधी अचानक बस से उतरे गए और आकाशवाणी भवन के अंदर घुस गए। दोनों परिसर के अंदर बरगद के पेड़ के नीचे धरने पर बैठ गए और पुलिस के प्लान को फेल कर दिया। जो धरना कुछ घंटों में खत्म होने वाला था, वह शाम 8 बजे तक चला। पुलिस को कांग्रेसियों को हटाने में 8 घंटे से ज्यादा का वक्त लग गया।

10:00 बजे: इंडिया ब्लॉक के विपक्षी सांसद संसद परिसर के मकर द्वार के पास एकत्रित हुए। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, सुप्रिया सुले समेत विपक्षी सांसद संसद से चुनाव आयोग ऑफिस की ओर बढ़े। 11:05 बजे: मार्च कुछ ही दूरी आगे बढ़ पाया था। पुलिस ने नीति आयोग के पास बैरिकेड लगाकर रास्ता रोक दिया। विपक्षी सांसद आगे जाने की मांग करने लगे। यहां सड़क पर धरना और नारेबाजी करते रहे। रास्ता बंद होने के बाद विपक्षी सांसद सड़क पर बैठ गए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगे। 11:40-12:00 बजे: राहुल पुलिस के बैरिकेड पर चढ़ गए और तिरंगा लहराया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाना और नेताओं को हिरासत में लेकर बसों में बैठाना शुरू कर दिया। 12:04 बजे: अखिलेश यादव, अभिषेक बनर्जी समेत कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस बसें नेताओं को लेकर जाने लगीं। इस समय ऐसा लग रहा था

कि मार्च और प्रदर्शन दोनों खत्म हो रहे हैं। 12:20 बजे: राहुल ने अचानक प्लान बदला, किसी को नहीं थी जानकारी:-यहीं से कहानी पलटी। प्रियंका पहले से पुलिस की बस में बैठी थीं। राहुल भी बस में जाने वाले थे, लेकिन उन्होंने प्रियंका से बात की और अचानक आकाशवाणी भवन के रिसेप्शन गेट की तरफ बढ़ गए। उनके पीछे

रणनीति के पीछे 2 बड़े संदेशा- प्रदर्शन को खत्म होने से बचाया- अगर सभी नेता बसों में चले जाते, तो चुनाव आयोग तक का मार्च वहीं खत्म हो जाता। आकाशवाणी परिसर में बैठकर राहुल-प्रियंका ने प्रदर्शन को जारी रखा। एसआईआर के मुद्दे को ईसी बनाम विपक्ष की सीधी लड़ाई बनाम- विपक्ष की मांग सिर्फ एंठ पर आपत्ति तक सीमित नहीं रही। राहुल-प्रियंका ने सीईसी ज्ञानेश कुमार से मिलने की मांग को भी धरने का केंद्र बनाया। हालांकि, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें किसी राजनीतिक दल की ओर से औपचारिक मुलाकात का अनुरोध नहीं मिला था। राहुल ने ऐसा ही सीक्रेट प्लान पीएम आवास पर प्रदर्शन के दौरान बनाया था:-राहुल ने नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पीएम आवास के पास धरना दिया था। तब भी प्रदर्शन इतना सीक्रेट रखा था कि पुलिस को भनक नहीं लगी। राहुल ने खड़े के जन्मदिन के बहाने विपक्षी सांसदों और नेताओं को उनके घर बुलाया था। सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया को यही लगा कि नेता केरल खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए जुटे हैं। बाद में पैदल मार्च के दौरान वाटर लिस्ट में बदलाव और नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 की प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता नहीं बरती। विपक्ष ने आयोग के भीतर दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों और सुप्रीम कोर्ट में फाई-6 को लेकर हुई सुनवाई का हवाला दिया। कांग्रेस का आरोप है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार ने भाजपा का साथ दिया और वोट चोरी कराई।

कॉंक्रोच जनता पार्टी बोली- ज्ञानेश कुमार गद्दार ,ऐसे लोगों के रहते सिस्टम दुरुस्त नहीं होगा ,सिर्फ इस्तीफा नहीं-उनके फैंसलों की जांच भी हो

नयी दिल्ली। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि ज्ञानेश कुमार गद्दार हैं, देशद्रोही हैं। अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी



बोल दिया कि ज्ञानेश कुमार झूठे नंबर वन हैं। अगर ऐसे लोग सिस्टम में बैठे रहेंगे तो देश की तरक्की कभी नहीं होगी। दरअसल, दिल्ली के प्रेस क्लब में कॉंक्रोच जनता पार्टी और लेफ्ट के छात्र संगठनों ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञानेश कुमार को सिर्फ हटाना न जाए उन पर केस भी हो और उन्हें सजा मिले। एक स्वतंत्र कमेटी उनकी और उनके फैंसलों की जांच करे। 10 अक्टूबर को कॉंक्रोच जनता पार्टी दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन करने वाली है। सीजेपी और लेफ्ट ने कहा- पुलिस ने बर्बरता की, 4 बातें:-महिला प्रदर्शनकारियों के साथ बदसलूकी: सौरव दास ने कहा कि दिल्ली पुलिस के मेल पुलिसकर्मी पत्नी मेल प्रदर्शनकारियों से बदसलूकी कर रहे हैं। ऐसे कोई भी दारिदे जो दिल्ली पुलिस में हैं, जिन्हें पैसों से भर्ती किया गया है उन्हें छोड़ना नहीं है। पुलिस बर्बरता कर सकती है: सौरव दास ने कहा कि जब हम धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे तब पुलिस ने बर्बरता की। लोगों के सिर फोड़े, लड़कियां के साथ बदसलूकी की, पैलेट गन चलाई, बिहार में तो भाजपा सरकार ने एके 47 तक चला दी। हमें आशंका है कि इस बार दिल्ली में भी ये लोग ऐसा ही कुछ प्लान कर रहे हैं। 10 अक्टूबर को दिल्ली आने की अपील: मीडिया से बात करते हुए सौरव दास ने कहा कि सरकार को डर है कि

के लिए विपक्ष एक साथ- नेहा बोरा ने कहा कि 4 अक्टूबर को इंडिया गेट से जंतर-मंतर मार्च में करीब 3000 लोग थे। लेकिन वहां मुझे एक प्राइवेट गाड़ी में अकेले बिठाया गया। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने उस गाड़ी को आगे नहीं बढ़ने दिया। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 7 बड़े प्रदर्शन- 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक देशभर में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए 7 बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। एसआईआर को लेकर ज्ञानेश और चुनाव आयोग पर सवाल:-द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह खंडी और विवेक जोशी ने एसआईआर से जुड़े फैंसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ फैंसले दोनों चुनाव आयुक्तों की जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। इसके बाद विपक्ष सीजेपी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर देशभर में प्रदर्शन कर रहा है। मुंबई में प्रदर्शन के बाद दिल्ली का ऐलान:-कॉंक्रोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर की रात करीब 10:46 बजे 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा था कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया, तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉंक्करीच दिल्ली पहुंचेंगे।दीपके ने लिखा, 'अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वहीं हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।'

मानसून सत्र स्थगित होने के बाद भी खत्म नहीं हुआ ,संसद 54 दिन से बिना बैठक के ,विशेष सत्र की अटकलें

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की बैठकें खत्म हुए करीब दो माह होने वाले हैं, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं

इस सत्र की बैठक दोबारा बुलाई जा सकती है। मौजूदा स्थिति का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक असर अध्यादेश पर है। अनुच्छेद 123 के



हुआ। इसके बाद विशेष सत्र की अटकलें हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था। मंगलवार तक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस तरह दोनों सदन 54 दिन से बिना सत्रावसान के हैं। दोनों सदनों के एक साथ बिना सत्रावसान रहने की सबसे लंबी अवधि है। इससे पहले 1989 में दोनों सदन 53 दिन ऐसी स्थिति में रहे थे। तब 18 अगस्त को दोनों सदन स्थगित हुए और सत्रावसान किए बिना 11 अक्टूबर को उसी सत्र की बैठक दोबारा शुरू हुई थी। इस बार 54 दिन पूरे होने के बावजूद न बैठक बुलाई गई है और न सत्रावसान हुआ है। अध्यादेश का रास्ता बंद पर इस सत्र में बैठक संभव:-सत्रावसान नहीं होने से सरकार के पास ज़रूरत पड़ने पर इसी सत्र की बैठक दोबारा बुलाने का विकल्प खुला है। सत्तारूढ़ खेमे से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में संसद की बैठक बुलाने की संभावनाओं को लेकर चर्चा है। राजनीतिक हलकों में परिसीमान, लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े अगले कदमों की भी अटकलें हैं। हालांकि सरकार ने बैठक बुलाने या उसके एजेंडे की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।सत्रावसान न होने से

तहत अध्यादेश तभी जारी हो सकता है, जब संसद के दोनों सदन सत्र में न हों। यानी सत्रावसान न होने तक अध्यादेश नहीं आ सकता है। एक्सपर्ट बोले- ठक का विकल्प खुला, अध्यादेश का रास्ता बंद:-संजय कुमार, राजनीतिक विश्लेषक के मुताबिक, सत्रावसान न होने से इस सत्र की बैठक दोबारा बुलाई जा सकती है। मौजूदा स्थिति का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक असर अध्यादेश पर है। अनुच्छेद 123 के तहत अध्यादेश तभी जारी हो सकता है, जब संसद के दोनों सदन सत्र में न हों। यानी सत्रावसान न होने तक अध्यादेश नहीं आ सकता है। लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ:मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हैं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लॉन्ग ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है। इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनिट तक थी। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनिट काम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

अमिताभ ने प्रतापगढ़ के लोगों से मांगी माफी,लाइब्रेरी का 2006 में उद्घाटन, किताबें अब तक नहीं लोग बोले- उन्हें केबीसी में ही गांव याद आता है

मुंबई। यूपी के प्रतापगढ़ में हरिवंश राय बच्चन के नाम पर बनी लाइब्रेरी में उद्घाटन के 20 साल बाद भी किताबें नहीं हैं।

खत्म हो गया। जया बच्चन ने लोकार्पण करने पहुंचीं तो उन्होंने कहा था कि इसे हम शुरू कराएंगे।जया बच्चन ने चौरा देवी

सुनते ही अमिताभ बच्चन ने कहा- 'यह हमारे पूर्वजों का जन्मस्थान था। बाबूजी वहीं से आए थे। हम वहां कुछ करना

जवाब नहीं मिला। मैं पिछले 10 साल से टिवटर, इंस्टाग्राम पर मैंसेज भेजकर अमिताभ बच्चन और उनके परिवार से संपर्क करने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन कोई रिप्लाई नहीं आता। पुरुषोत्तम बोले- अमिताभ ने आश्वासन तो बहुत दिए, लेकिन आए नहीं। अब मन में ग्लानि भी है कि इतनी बड़ी हस्तियां आश्वासन देती हैं, लेकिन परिणाम नहीं दिखता। इस बार 100इ उम्मीद लग रही है कि वो आएंगे।

हर चीज का समय-मुहूर्त होता है। गांव के अमिताभ श्रीवास्तव का कहना है- अमिताभ बच्चन के आने की पूरी उम्मीद लग रही है। हमारे परिवार वाले बहुत खुशी मना रहे हैं। हो सकता है कि पहले कोई दिक्कत हो गई होगी, इसलिए नहीं आ सके। एक बार फिर से गांव के विकास की उम्मीद-महाराष्ट्र की संस्था डॉ. हरिवंश राय बच्चन प्रबोधन प्रतिष्ठान' ने 'मातृभूमि योजना' के तहत गांव को गाद लिया है। फर्स्ट फेज में गांव के डेवलपमेंट पर एक करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। प्रतिष्ठान 1 करोड़ रुपए देगा, जबकि पंचायत राज

चाह रहे थे, लेकिन इसमें रुकावट हो गई। वहां के लोग बहुत नाराज हैं। प्रतापगढ़... बाबूपट्टी के लोगों से भैया हम माफी चाहते हैं। हम लाइब्रेरी खोल देंगे, आप घबराइए मत।हमारी पत्नीजी गई थीं वहां और उनका यह विचार था कि यहां पर बच्चों के लिए

जया बच्चन ने 2006 में इस लाइब्रेरी बिल्डिंग का लोकार्पण किया था। उन्होंने बेटे-बहू और पति अमिताभ बच्चन के साथ गांव आने का वादा भी किया था, लेकिन यह वादा आज तक पूरा नहीं हुआ। हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के मंच पर अमिताभ बच्चन ने इस बात को लेकर माफी मांगी। कहा- आप लोग घबराइए नहीं, जल्द ही लाइब्रेरी शुरू होगी। गांववालों से बात की। उनका कहना है कि अमिताभ बच्चन के आने की उम्मीद तो जगी है, लेकिन वे पहले भी केबीसी पर ऐसा वादा कर चुके हैं। इतने सालों में बिल्डिंग जर्जर हो गई और खिड़की-दरवाजे टूटने लगे हैं। कभी अपने गांव नहीं आए अमिताभ बच्चन--रानीगंज तहसील में डॉ. हरिवंश राय बच्चन का पैतृक गांव बाबूपट्टी है। अमिताभ बच्चन आज तक यहां नहीं आए हैं। बच्चन परिवार की गांव में जो जमीन थी, उसे दान दे दिया गया था। उसी पर लाइब्रेरी बनाई गई है। 2004 में मछलीशहर से तत्कालीन सपा सांसद सीएन सिंह ने लाइब्रेरी बनाने के लिए सांसद निधि से 22 लाख रुपए दिए थे। 5 मार्च 2006 में जया बच्चन और अमर सिंह ने गांव पहुंचकर लाइब्रेरी का लोकार्पण किया था। सीएन सिंह को ही इसमें कांपी-किताब और फर्नीचर की व्यवस्था करानी थी, लेकिन 2004 में ही उनका कार्यकाल

का आशीर्वाद लिया था--जया बच्चन ने बहू के रूप में मां चौरा देवी स्थल पर माथा टेककर आरती उतारी थी। फिर परिवार की महिलाओं से भी मिली थीं। इसके बाद जया बच्चन ने गांववालों से कहा था कि बेटे अभिषेक बच्चन की शादी के बाद बहू ऐश्वर्या को साथ लेकर गांव आएंगे। इसके साथ ही गांव में एक गर्ल्स डिग्री कॉलेज खुलवाने की भी बात कही थी। खिड़की-दरवाजे टूटे, बिल्डिंग जर्जर हुई--तब गांववालों में उम्मीद जगी थी कि अमिताभ बच्चन अपने पैतृक गांव आएंगे। इससे गांव का विकास होगा। लेकिन, धीरे-धीरे यह उम्मीद कम होती चली गई। गांव में न कॉलेज खुला और न ही जया बच्चन बेटे-बहू को लेकर पहुंचीं। लाइब्रेरी की बिल्डिंग तो बन गई, लेकिन वहां किताबें कभी नहीं पहुंचीं। देख-रेख नहीं हुई, तो बिल्डिंग भी जर्जर होने लगी। खिड़की-दरवाजे टूट चुके हैं। फर्श भी टूट गया है। केबीसी में हॉट सीट पर पहुंचे थे चंद्र प्रकाश तिवारी:-2 अक्टूबर को 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) में हॉट सीट पर चंद्र प्रकाश तिवारी पहुंचे थे। चंद्र प्रकाश पट्टी तहसील के डड़वा महोखरी गांव के रहने वाले हैं। अमिताभ के पूछने पर चंद्र प्रकाश ने अपने गांव का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि वह बाबूपट्टी गांव के बगल के गांव के रहने वाले हैं। अमिताभ बोले- लाइब्रेरी हमारी पत्नी का विचार था-बाबूपट्टी का नाम



कोई पढ़ने की जगह नहीं है। क्यों न हम लोग एक लाइब्रेरी बनाकर दे दें। हम बोले ठीक है। बिल्डिंग-बिल्डिंग बन गई, लेकिन खाली पड़ी हुई है। अब हम उसके अंदर कुछ भरेंगे।' गांव के श्रेष्ठ भदिवेदी ने बताया- जब अमिताभ बच्चन ने अपनी गलती मानी, तो गांववालों को गर्व हुआ। हालांकि, उन्हें माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं थी। जब भी केबीसी आता है, तभी अमिताभ बच्चन को गांव की याद आती है। शो में 3 बार पहले भी उन्होंने गांव आने और कुछ करने की बात कही, लेकिन बाद में कोई

विभाग 40 लाख रुपए मंजूर करेगा। पंचायत राज विभाग ने प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। अब प्रतिष्ठान से पैसे जमा होने का इंतजार है।पहले चरण में डॉ. हरिवंश राय बच्चन के नाम पर सीसी रोड, स्ट्रीट लाइट और एक लाइब्रेरी बनाने का प्रस्ताव है। ग्राम प्रधान/प्रशासक विकास यादव की मानें, तो डॉ. हरिवंश राय बच्चन प्रबोधन प्रतिष्ठान के संस्थापक निवृत्ति यादव 11 अक्टूबर को बाबूपट्टी आ सकते हैं। करीब 15 दिन पहले यह जानकारी फोन पर निवृत्ति यादव की ओर से दी गई थी।

सलमान खान से मिलने पहुंचे पाकिस्तानी फैंस,दुबई में परफ्यूम ब्रांड लॉन्च शामिल हुए एक्टर

दुबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान दुबई में आयोजित

फैंस को बिना झलक देखे ही लौटना पड़ा। बाद में वे कैजुअल



'ब्यूटीवर्ल्ड मिडिल ईस्ट' इवेंट में शामिल हुए। यहां उन्होंने रसासी परफ्यूम के नए ब्रांड को अनवील किया। इस दौरान उनसे मिलने कई पाकिस्तानी फैंस भी पहुंचे। इवेंट की रिपोर्टर्स के मुताबिक, सलमान खान तय समय से दो घंटे देर से पहुंचे और ब्रांड अनवील करने के तुरंत बाद बिना कोई भाषण दिए वहां से निकल

टी-शर्ट में अपनी टीम के साथ एक मॉल में घूमते नजर आए। 'बचपन से फैंन हूँ, वे हमारे भाई हैं'-इवेंट में पहुंची पाकिस्तान की महा नूर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वे सलमान खान की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। महा नूर ने कहा कि वे एक्टर के लेट आने की वजह से उनकी एक झलक देखने से चूक गईं। इसके

फैंन रही हैं। सलमान बहुत हैंडसम, फनी और करिश्माई व्यक्ति वाले इंसान हैं। वे हमारे भाई हैं और लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं। 2 घंटे लेट पहुंचे, बिना भाषण दिए ही रवाना हुए- दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित 'ब्यूटीवर्ल्ड मिडिल ईस्ट' प्रदर्शनी के 30वें एडिशन में सलमान खान



चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए थे। रसासी परफ्यूम के नए ब्रांड 'वैन्ज' की रसासी' के लॉन्चिंग इवेंट में उन्हें दोपहर 2:00 बजे पहुंचना था। हालांकि, सलमान करीब 4:00 बजे जाबील हॉल 6 में पहुंचे। वे ब्लैक सूट में अपनी सुरक्षा टीम और बाडीगार्ड्स के साथ आए थे। उन्होंने सिर्फ परफ्यूम ब्रांड का अनावरण किया और बिना कोई भाषण दिए या फैंस

ईस्ट मुख्य रूप से ब्यूटी और कॉस्मेटिक्स इंडस्ट्री से जुड़ा बिजनेस इवेंट है। लेकिन मंगलवार को सलमान खान की मौजूदगी की वजह से एजजीबिशन हॉल का नजारा किसी फैंन मीट जैसा हो गया। जाबील हॉल में दोपहर से ही काफी लोग जमा हो गए थे। हाथ में मोबाइल लिए

सैंकड़ों फैंस सलमान का इंतजार कर रहे थे। यूएई में सलमान खान की भारी फैन फॉलोइंग है, जिसके चलते वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शूटिंग से ब्रेक लेकर पहुंचे थे, बाद में मॉल में घूमे:- सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। वे इस तीन तीन के टूट शो (6 से 8 अक्टूबर) में हिस्सा लेने के लिए खास तौर पर समय निकालकर दुबई पहुंचे थे। इवेंट में बेहद छोटा अपीयरेंस देने के बाद सलमान ने अपना फॉर्मल सूट बदला और कैजुअल कपड़ों में नजर आए।

इसके बाद वे अपनी टीम के साथ ट्रेड सेंटर और आसपास के इलाके में घूमते हुए नए आइटम्स देखते नजर आए।



गए। उन्होंने जूटी भीड़ को संबोधित नहीं किया, जिसके चलते घंटों इंतजार कर रहे कई

बावजूद सलमान के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ।उन्होंने कहा कि वे बचपन से ही सलमान की

से बात किए वहां से तुरंत रवाना हो गए। ट्रेड शो में उमड़ी फैंस की भारी भीड़- ब्यूटीवर्ल्ड मिडिल

शादी के बाद जॉब छोड़ दी, अब सिर्फ एक पत्नी और मां हूं, अपनी खुशी भूल गई क्या करूं

नयी दिल्ली। शादी के बाद थोड़ा बहुत जीवन परिवर्तन होना तो स्वाभाविक है पर खुद की खुशी

पूरे परिवार का प्रबंधन करना दुनिया के सबसे कठिन फुल-टाइम कामों में से एक है। फर्क सिर्फ

क्या 34 की उम्र में नई शुरुआत मुमकिन नहीं? यह सबसे बड़ा मिथ है। 34 की उम्र में कोई देर

नहीं हुई होती। एक्सपर्ट मानते हैं कि ये बेस्ट टाइम है। 34 की उम्र में आपके पास वह अनुभव है, जो 24 की उम्र में नहीं था। अब आपके पास ये चीजें हैं- बेहतर निर्णय क्षमता, धैर्य, भवनात्मक परिपक्वता, लोगों को समझने की योग्यता, समय प्रबंधन, जिम्मेदारी निभाने का अनुभव, धैर्य और निरंतर जैसी क्षमताएं कॉर्पोरेट कर्मचारियों से भी बेहतर होती हैं। जरूरत सिर्फ उन्हें पहचानने और नए संदर्भ में पेश करने की है। चार हफ्तों का 'कमबैक' प्लान-सप्ताह 1 खुद को दोबारा पहचानिए। अपनी सभी डिग्रियां निकालिए। पुराने अनुभव एक डायरी में लिखिए। घर की जिम्मेदारियों की सूची बनाइए। रोज 20 मिनट लिखिए- 'मुझे क्या पसंद है?' तीन लोगों से अपनी ताकत पृष्ठित। सप्ताह 2- करियर तलाशिए, पांच संभावित क्षेत्रों की सूची बनाइए। एक ऑनलाइन कोर्स शुरू कीजिए। अपना सीवी तैयार कीजिए। लिंकडिन में अपना प्रोफाइल बनाइए। दो पेशेवर लोगों से बात कीजिए। सप्ताह 3-वर्क कल्चर में वापसी, सीधे फुल-टाइम नौकरी करना जरूरी नहीं। किसी पार्ट टाइम काम से शुरुआत करिए। पहले खुद को नए माहौल में सहज बनाइए। सप्ताह में 1-2 दिन वॉलंटियर करिए। समय पर पहुंचने का अभ्यास करिए। टीम के साथ काम करने का अभ्यास करिए। अपनी नई उपलब्धियों को डायरी में लिखिए। सप्ताह 4- नौकरी की शुरुआत रोज दो आवेदन भेजिए। इंटरव्यू की तैयारी करिए। अपना सीवी अपडेट करिए। पार्ट-टाइम ऑफर भी एक्सेप्ट करिए। हर हफ्ते अपनी प्रोग्रेस चेक करिए। याद रखिए- पहली नौकरी मंजिल नहीं होती, आगे अवसर का दरवाजा होती है। रोज खुद से कहें ये 7 बातें:-इन सारी तैयारियों के साथ ये समझना भी जरूरी है कि आपका अपने साथ सप्ताह कैसा है।

खुद से पॉजिटिव बातें करिए और रोज खुद को ये 7 बातें याद दिलाइए-खुद खुद से कहें ये 7 बातें:- मैं सिर्फ किसी की पत्नी नहीं हूँ। मैं सिर्फ किसी की मां नहीं हूँ। मैं सिर्फ एक सक्षम व्यक्ति हूँ। मैं सीख सकती हूँ। मैं फिर से शुरू कर सकती हूँ। मेरा अनुभव मेरी ताकत है। प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी? वैसे तो आपकी प्रॉब्लम सेल्फ हेल्प से आसानी से दूर हो सकती है। लेकिन कभी भी अगर उदासी, अकेलापन ज्यादा बढ़े और उसका असर भोजन, नींद पर पड़े तो प्रोफेशनल हेल्प लेने में हिचकना नहीं चाहिए। प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी-यदि कई सप्ताह तक लगातार- उदासी बनी रहे। किसी काम में मन न लगे। रोजमर्रा के काम प्रभावित हो जाए। आत्मसम्मान बहुत कम हो जाए। सेल्फ हार्म का ख्याल आए। हर समय एंजाइटी रहे। अंतिम बात:- आपने सालों तक पूरे परिवार को संभाला और अपना व्यक्तित्व नहीं खोया। आज परिस्थितियां बदल रही हैं। बच्चे बड़े हो रहे हैं। जिम्मेदारियां बदल रही हैं। अब आपके जीवन का अगला और नया अध्याय शुरू हो रहा है। इस अध्याय को भी आप बहुत खूबसूरती से गढ़ेंगी। याद रखिए, आप पीछे नहीं लौट रही, बल्कि आगे बढ़ रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कट्टर प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईटीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आरबी0 एड्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।



ही भूल जाना थोड़ा सहों नहीं माना जाता विषय पर बात करेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकोट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी के साथ और समझे विषय को सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 34 साल की महिला हूँ। शादी के बाद मैंने अपनी नौकरी छोड़ दी थी क्योंकि परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ गई थीं। पिछले कुछ सालों में मेरी पूरी पहचान एक पत्नी, बहू और मां तक सीमित हो गई है। हाल ही में जब बच्चों ने स्कूल जाना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि मेरा जीवन यूं ही निकला जा रहा है। मैंने अपना पूरा जीवन दूसरों को दे दिया है, लेकिन वो तो बड़े होकर चले जाएंगे। फिर मेरा क्या होगा। कभी लगता है कि मुझे दोबारा करियर शुरू करना चाहिए, कभी लगता है कि अब बहुत देर हो चुकी है। डरती हूँ कि दूसरों की जरूरतें पूरी करते-करते कहीं अपनी पहचान न खो दूं। क्या यह आइडेंटिटी क्राइसिस है? मैं खुद को दोबारा कैसे खोजूं? जवाब- ये समस्या आपकी अकेली की नहीं है। हजारों महिलाएं जीवन के किसी-न-किसी मोड़ पर ये महसूस करती हैं। वे अच्छी मां हैं, जिम्मेदार पत्नी हैं, परिवार की मजबूत आधारशिला हैं, लेकिन जब बात खुद की आती है तो जवाब धुंधला पड़ जाता है। अक्सर ये इस भावना को किसी से कह भी नहीं पाती, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग समझेंगे नहीं। लेकिन मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि यह कोई असामान्य अनुभव नहीं है। यह एक डेवलपमेंटल स्टेज है। बच्चे बड़े होने के बाद कई महिलाओं को पहली बार अपने लिए समय मिलता है। ऐसे में अस्तित्व, पहचान और भविष्य को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। ये कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की अगली डेवलपमेंटल स्टेज है। यह सिर्फ आइडेंटिटी क्राइसिस नहीं, कई लोग इस स्थिति को केवल आइडेंटिटी क्राइसिस कह देते हैं। लेकिन पूरी तस्वीर इससे कहीं बड़ी है। असल में इसके पीछे बहुत सी भावनाएं होती हैं, जैसेकि- जीवन के नए चरण में प्रवेश। बच्चों का आत्मनिर्भर होना। करियर का लंबा अंतराल। आर्थिक स्वतंत्रता की इच्छा। अपने सपनों की याद आना।समाज में अपनी भूमिका बदलती महसूस होना। यानी यह केवल 'मैं कौन हूँ?' का सवाल नहीं है, बल्कि 'अब मेरी अगली भूमिका क्या होगी?' का सवाल भी है। क्या आपने सचमुच कुछ नहीं किया? बहुत-सी महिलाएं कहती हैं, 'मैं तो पिछले 10-15 साल से कुछ करती ही नहीं थी।' यही सबसे बड़ी गलतफहमी है। घर चलाना, बच्चों का पालन-पोषण करना और

इतना है कि इसके लिए सैलरी नहीं मिलती। आपने इतने साल क्या किया:- पूरे परिवार का मैनेजमेंट। धरेलू बजट बनाना। बच्चों की पढ़ाई। फैमिली इवेंट आयोजित करना। छोटे-मोटे बाहरी काम करना। बुजुर्गों की देखभाल। काम भी करना। जैसे बँक जाना, बच्चों को स्कूल छोड़ना। अगर घर एक कंपनी होती या आप इतने साल घर में जो काम कर रही थीं, वही काम किसी कंपनी में कर रही होतीं तो आपकी क्या पोजिशन होती। इसलिए आगसे और सभी महिलाओं से मेरी रिक्वेस्ट है कि खुद को सिर्फ 'हाउसवाइफ' मत कहिए। असल में आप- परिवार की निर्माता हैं। होम मैनेजर हैं। सबका ख्याल रखने, देखभाल करने वाली हैं। परिवार के लिए निर्णय लेने वाली हैं। संकट में सबको संभालने वाली हैं। ये सब कोई छोटी उपलब्धियां नहीं हैं। हमें इन पर गर्व होना चाहिए। फिर भी खालीपन क्यों महसूस होता है? जब बच्चे छोटे होते हैं, तब उन्हें हर वक्त, हरेक काम के लिए आपकी जरूरत होती है। लेकिन जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं तो ये सारे बदलाव आते हैं-वे स्कूल जाते हैं। दोस्त बनाते हैं। खुद फैसले लेते हैं। प्राइवैसी की



डिमांड करते हैं। अपने कमरे में अकेले समय बिताते हैं। इतने सालों में तब पहली बार ऐसा होता है कि आपके पास अपने लिए समय बचता है। तब मन पृष्ठता है- 'अब मैं क्या करूं?' 'अब तो किसी को मेरी जरूरत नहीं है।'

नई चीजें सीखना अच्छा लगता है। मैं तकनीक सीखने के लिए तैयार हूँ। मैं फीडबैक लेकर खुद को सुधार सकती हूँ। आत्मविश्वास- मैं दोबारा काम सीख सकती हूँ। मैं नई शुरुआत के लिए तैयार हूँ। आपके सिकस